संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 290
पृष्ठ 8
शनिवार
12 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- चाय में रोज मिलाएं एक...

विचार- बिहार ने दिखाया जिंदा कौमें पांच...

खेल- अगर टेनिस खेलते सूर्यकुमार...

मुख्यमंत्री योगी ने सुनी फरियाद, बोले-

हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है सरकार

● सीएम ने जनता दर्शन में सुनी 200 लोगों की फरियाद

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में श्जनता दर्शनश किया। इस दौरान उन्होंने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और कहा कि परेशान मत हों, आपकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में एक महिला इलाज के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई तो उन्होंने कहा कि इलाज का इस्टीमेट मंगा लीजिए, सरकार भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री शुक्रवार सुबह जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में एक महिला समेत कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

भाजपा को लाकर पछता रहे दिल्लीवाले : आप

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा है कि दिल्ली की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता सौंपी थी,लेकिन पांच महीने में ही उसे अपने फैसले पर पछतावा हो रहा है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने जलभराव के मुद्दे पर शुक्रवार को कहा कि आज दिल्ली के व्हाट्सएप, ड्राइंग रूम्स और साउथ दिल्ली के क्लब में मध्यम वर्ग के लोगों के बीच यही चर्चा चल रही है कि वह मान रहे हैं कि भाजपा को दिल्ली में लाना एक बड़ी गलती थी। लोग भूल गए कि वही भाजपा, जो पिछले 12-14 साल से हरियाणा में सरकार चला रही है और हर बार गुड़गांव नगर निगम में जीतती है, उसके बावजूद वहां करोड़ों के फ्लैट में रहने वालों की गाड़ियां पानी में डूब रही हैं। यह हर साल होता है।

बाबा के वेश में घूम रहे बंगलादेशी नागरिक सहित 25 ढोंगी गिरफ्तार

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर गुरुवार से शुरू हुए 'ऑपरेशन कालनेमि' के तहत शुक्रवार को ही देहरादून पुलिस ने एक बंगलादेशी नागरिक सहित कुल 25 छद्मवेष वाले ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह ने साधु-संतों का भेष धारण कर, सड़क किनारे बैठे ऐसे व्यक्तियों से स्वयं पूछताछ की। थाना नेहरू कालोनी क्षेत्र में उन्होंने सड़क किनारे बैठ, लोगों को अपना शिकार बना रहे ऐसे ही कई व्यक्तियो से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की तो अपने प्रोफेशन सम्बंध में वे कोई सन्तोष जनक उत्तर नही दे पाये और न ही ज्योतिष शास्त्र की शिक्षा से सम्बन्धित कोई दस्तावेज प्रस्तुत कर पाये। जिस पर उक्त सभी व्यक्तियों को पुलिस द्वारा मौके से हिरासत में लेते हुए उन्हें 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया। एसएसपी ने बताया कि अभियान के दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए साधु-संतों के भेष में घूम रहे कुल 25 ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से सहसपुर क्षेत्र में बाबा के भेष में घूम रहा एक बंगलादेशी नागरिक भी पुलिस की गिरफ्त में आया जिसके विरूद्ध थाना सहसपुर पर विदेशी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। उन्होंने बताया कि एलआईयू तथा आईबी की टीमों द्वारा उक्त बांग्लादेशी नागरिक रूकन रकम उर्फ शाह आलम (26), पुत्र आबूर, निवासी ग्राम साखीपुर, जिला टंगाईल, ढाका, बंगलादेश, पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार ढोंगी बाबाओं में 20 से अधिक लोग अन्य राज्यों के रहने वाले हैं।

रोजगार मेले में शनिवार को 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र देंगे मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां 16 वें रोज़गार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने आज यहां बताया कि श्री मोदी इस अवसर पर

नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित भी करेंगे। रोज़गार मेला रोज़गार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। रोज़गार मेला युवाओं को उनके सशक्तीकरण और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देश भर में रोज़गार मेलों के माध्यम से अब तक 10 लाख से अधिक भर्ती पत्र जारी किए जा चुके हैं। यह रोज़गार मेला देश भर में 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। ये भर्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में हो रही हैं। देश भर से चुने गए नए कर्मचारी रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय और अन्य विभागों तथा मंत्रालयों में शामिल होंगे।

यमुना को स्वच्छ बनाने पर मंथन, अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बड़ी बैठक, रेखा गुप्ता रहीं मौजूद

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ यमुना नदी के पुनरुद्धार पर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और सीआर पाटिल के साथ-साथ लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री भी बैठक में शामिल हुए। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेंद्र भी गृह मंत्रालय और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में मौजूद थे। चर्चा में यमुना नदी के पुनरुद्धार और पुनरुद्धार के

लिए समन्वित प्रयासों और कार्य योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसे दिल्ली के पर्यावरण और जन स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इस सप्ताह की शुरुआत में, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली जल बोर्ड ने राजधानी के जल बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, सीवरेज नेटवर्क को उन्नत करने, टैंकर सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ाने और अत्यधिक प्रदूषित यमुना नदी के पुनरुद्धार के उद्देश्य से एक 45-सूत्रीय कार्य योजना प्रस्तुत की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि 9,000 करोड़ रुपये के बजट वाली इस व्यापक योजना को अगले साल तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान का उद्देश्य राजधानी को स्वच्छ जल और प्रदूषण मुक्त यमुना उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री गुप्ता स्वयं नदी के पुनरुद्धार के प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं, और उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना और लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा भी इस पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस अभियान का बजट 9,000 करोड़ रुपये है और इसे अगले साल तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

खड़गे बोले- भाजपा संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद शब्दों को हटाने का प्रयास कर रही है

● खड़गे ने ओडिशा में कांग्रेस सरकार के योगदान को याद दिलाया

भुवनेश्वर, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 'संविधान बचाओ सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि अगर दलित और आदिवासी समुदाय अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना नहीं सीखेंगे, तो भाजपा उनकी हर चीज छीन लेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार देश के संविधान से 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' जैसे मूल शब्दों को हटाने की कोशिश में जुटी है। खड़गे ने कहा कि ओडिशा में भाजपा समर्थक दलितों और सरकारी अधिकारियों पर हमले कर रहे हैं। उन्होंने लोगों को चेताया कि अगर समय रहते दलितों, आदिवासियों और वंचितों ने आवाज नहीं उठाई, तो उनके वोट और अधिकार दोनों खत्म कर दिए जाएंगे। खड़गे ने ओडिशा में कांग्रेस सरकार के योगदान को याद दिलाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में पारादीप पोर्ट, राउरकेला स्टील प्लांट, हीराकुंड डैम, नाल्को, एनटीपीसी, चिल्का नेवल एकेडमी, मंचेश्वर रेल कोच फैक्ट्री, और कोरापुट में एचएएल व ऑर्डिनेंस फैक्ट्री जैसे कई सार्वजनिक उपक्रम स्थापित हुए। उन्होंने बताया कि भुवनेश्वर में एम्स, एनआईएसईआर, इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स और केबीके क्षेत्र (कालाहांडी, बोलांगीर, कोरापुट) के विकास के लिए खास योजनाएं कांग्रेस सरकार में बनीं। खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि आज मोदी सरकार ओडिशा की जनता की मेहनत की कमाई को अपने अमीर दोस्तों को सौंप रही है। खदानें, कारखाने, बंदरगाह, हवाई अड्डे, जंगल और जमीन सभी कुछ पूंजीपतियों के हवाले कर दिया गया है। उन्होंने सवाल किया कि जहां ओडिशा प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है, वहां के आदिवासी आज भी इतनी गरीबी में क्यों जी रहे हैं? खड़गे ने यह भी आरोप लगाया कि सभी संवैधानिक संस्थाओं पर अब मोदी और शाह का नियंत्रण है। एजेंसियां संविधान से नहीं, भाजपा के इशारों पर काम कर रही हैं। उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां गरीबों और वंचितों के वोट के अधिकार को भी चुनाव से पहले छीन लिया गया। खड़गे बोले, "भाजपा सिर्फ प्रचार करती है, काम कुछ नहीं। ओडिशा में कांग्रेस ने जो काम किया, वही आज दिखाई देता है। भाजपा ने राज्य को कुछ नहीं दिया, बस जो कुछ था, उसे भी बेच दिया।"

श्री अमरनाथ यात्रा के लिए 6482 तीर्थयात्रियों का नया जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिये 6482 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था शुक्रवार सुबह 'बम बम भोले' के जयकारों के साथ जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने आज यहां बताया कि स्वनिर्मित हिम शिवलिंग दर्शन के लिए तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से 268 गाड़ियों में रवाना हुए। उन्होंने कहा, "आज सुबह 6,482 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू आधार शिविर से कश्मीर स्थित श्री अमरनाथ यात्रा गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ।" अधिकारियों के अनुसार, 268 वाहनों के बेड़े में 4129 तीर्थयात्री पहलगाम और 2353 तीर्थयात्री बालटाल के लिए रवाना हुए। वाहनों के बेड़े हल्के और भारी मोटर वाहन शामिल थे। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दो जुलाई को यहां से तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। अमरनाथ यात्रा इस वर्ष 03 जुलाई से शुरू होकर 09 अगस्त तक चलेगी। यह यात्रा कुल 38 दिनों की होगी।

दिल्ली का गौरव उसके ऐतिहासिक धरोहरों में समाहित : रेखा

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी का गौरव उसके ऐतिहासिक धरोहरों, जीवंत संस्कृति और आधुनिक मूल्यों में समाहित है। श्रीमती गुप्ता ने शुक्रवार को यहाँ दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से कहा, "राजधानी के छवि को पुनर्निर्माण करने की जरूरत है। दिल्ली में वह सब कुछ है जो विश्व के पर्यटकों को चाहिए, वह इतिहास, संस्कृति, कला और विरासत है। केवल एक प्लेटफार्म देने की जरूरत है।" मुख्यमंत्री

ने कहा आज दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित "डिलाइट फॉर दिल्ली " समिट में सहभागिता करते हुए यह विश्वास और भी दृढ़ हुआ कि दिल्ली अब केवल एक राजधानी नहीं, बल्कि वैश्विक पर्यटन, सांस्कृतिक समृद्धि और नवाचार का आकर्षण केंद्र बन रही है। उन्होंने कहा कि यह समिट केवल पर्यटन विस्तार का एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि दिल्ली को वैश्विक निवेश, नवाचार और सांस्कृतिक नेतृत्व की नई ऊँचाइयों से जोड़ने का एक रणनीतिक मंच है। राजधानी का गौरव उसके ऐतिहासिक धरोहरों, जीवंत संस्कृति और आधुनिक मूल्यों में समाहित है, जहाँ एक ओर लाल किले और कुतुब मीनार की भव्यता है, तो दूसरी ओर स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक इवेंट्स को होस्ट करने की क्षमता भी है। जी 20 शिखर सम्मेलन ने विश्व को दिल्ली की गरिमा, दक्षता और सामर्थ्य का परिचय दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आज दिल्ली परंपरा और प्रगति का संगम बनकर "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की भावना को सशक्त रूप में दर्शा रही है। दिल्ली सरकार निवेशकों के लिए भरोसेमंद भागीदार है। हम सुझावों को योजनाओं में, और योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता के साथ कार्य करते हैं। उन्होंने कहा, "आइए, हम सब मिलकर एक ऐसी दिल्ली का निर्माण करें जो विश्व पटल पर संस्कृति, समृद्धि और सतत विकास का प्रतीक बने।"

मोदी, आरएसएस पर आपत्तिजनक व्यंग्यचित्र विवाद पर14 को सुनवाई करेगा शीर्ष न्यायालय

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के साथ अशोभनीय व्यंग्यचित्र बनाने के मामले में आरोपी हेमंत मालवीय की अंतरिम जमानत की मांग वाली याचिका पर 14 जुलाई को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर के मामले पर शीघ्र सुनवाई का अनुरोध आज स्वीकार करते हुए इस मामले को सोमवार के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। इंदौर के व्यंग्यचित्रकार हेमंत ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के तीन जुलाई के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती देते हुए राहत की गुहार लगाई है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर की एकल पीठ ने अपने फैसले में कहा था कि हेमंत ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग किया है। उन्हें संबंधित व्यंगचित्र बनाते समय अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए था। उच्च न्यायालय ने हेमंत को हिरासत में लेकर पूछताछ का आदेश दिया था। हेमंत ने उच्च न्यायालय से राहत न मिलने पर शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया और याचिका दायर करके कहा कि हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता लगभग दंडात्मक लगती है।

चुनाव से पहले सीएम नीतीश की बड़ी सौगात

1 करोड़ से अधिक लोगों के अकाउंट में 1100-1100 रुपये ट्रांसफर

पटना, एजेंसी। बिहार में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना स्थित अपने सरकारी आवास से 1.11 करोड़ लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरित की और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तहत प्रत्येक को 1,100 रुपये प्रदान किए। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से कुल 1,227.27 करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित किए गए। इस कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी उपस्थित

थे। नीतीश कुमार ने कहा कि पहले हम सामाजिक सुरक्षा पेंशन के रूप में 400 रुपये प्रदान करते थे, जिसे अब बढ़ाकर 1,100 रुपये कर दिया गया है ताकि विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत विधवाओं, विकलांगों और वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिल सके। नीतीश ने कहा कि समाज के हर वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए हमलोग निरंतर प्रयासरत हैं ताकि सभी एक सम्मानजनक तथा बेहतर जीवन व्यतीत कर सकें। विपक्ष और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कुमार ने कहा कि पिछले 20 सालों में जो कुछ भी हुआ है, उसमें उनका कोई खास योगदान नहीं है। 2005 से पहले कोई न कोई कुछ करता था, हम (राजद के साथ) गलती से दो बार वहाँ गए थे, लेकिन क्या इन लोगों ने कुछ खास किया है? उन्होंने आगे कहा कि बिहार में राजनीति का एक नया युग शुरू होगा और इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी मिलकर विकास के पथ पर आगे बढ़ेंगे।

प्लेटफार्म पर यात्रियों के दौड़ाने पर ट्रेन की चपेट में आया था हत्यारोपी, सीसीटीवी से खुला राज

प्रयागराज। रेलकर्मी अमित कुमार पटेल के सिर पर रॉड मारकर हत्या करने के मामले में अहम खुलासा हुआ है। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि हत्यारोपी ने ट्रेन के आगे कूदकर नहीं, बल्कि घटना के बाद जब प्लेटफार्म पर मौजूद यात्रियों ने उसे दौड़ाया तो वह बचने के लिए वहां से गुजर रही पूर्वा एक्सप्रेस में चढ़ने का प्रयास किया। रेलकर्मी अमित कुमार पटेल के सिर पर रॉड मारकर हत्या करने के मामले में अहम खुलासा हुआ है। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि हत्यारोपी ने ट्रेन के आगे कूदकर नहीं, बल्कि घटना के बाद जब प्लेटफार्म पर मौजूद यात्रियों ने उसे दौड़ाया तो वह बचने के लिए वहां से गुजर रही पूर्वा एक्सप्रेस में चढ़ने का प्रयास किया। इस बीच ट्रेन की चपेट में आकर नीचे गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई।

आशंका है कि पैर फिसलने से हत्यारोपी ट्रेन की चपेट में आया है।वहीं, इस पूरे मामले का सुलझाने के लिए पुलिस ने घटनास्थल समेत जंक्शन और आसपास के तकरीबन 50 से

अधिक सीसीटीवी कैमरा खंगाला। इसमें पूरी घटना कैद थी। पता चला कि हत्यारोपी वारदात को अंजाम देने के लिए निरंजन डॉट पुल (हावड़ा इंड) की ओर से जंक्शन पर प्रवेश किया और फिर पास में हो रहे एक कंस्ट्रक्शन वाली जगह से उसने लोहे की रॉड उठा ली। इसके बाद वह रेलवे पटरी पार प्लेटफार्म नंबर आठ पर पहुंचा और मोबाइल पर बात कर रहे अमित के सिर पर एक के बाद एक तीन प्रहार कर लहुलूहान कर दिया। जिससे अमित का सिर फट गया और वह जमीन पर गिर गया। पूरी घटना मात्र एक मिनट 50 सेकंड में घटी। यही नहीं, हमले के बाद हत्यारोपी ने प्लेटफार्म पर मौजूद यात्रियों को दहशत में डालते हुए रॉड से धमकाना शुरू किया। जिससे यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई। 15 मिनट के भीतर दो यह दोनों ही घटना घटित होने सभी यात्रियों की रूह कंपा दी। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस के पास सामान बेच रहे वेंडर ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। कुछ यात्रियों ने हिम्मत दिखाते हुए हमलावर को पकड़ने का प्रयास भी किया। लेकिन, वह दूसरे ओर से आ रही पूर्वा एक्सप्रेस ट्रेन की ओर भागा। ट्रेन के नीचे जाने से पहले यात्रियों ने उसे खींचने का प्रयास किया। लेकिन, वह ट्रेन के पहिए के नीचे चला गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्यारोपी ने पैंट शर्ट पहना था और सिर पर गमछा बांधा था। वरिष्ठ खंड अभियंता प्रशांत कुमार सिंह ने पुलिस को बताया कि रेल कर्मी अमित कुमार पटेल की ड्यूटी दोपहर दो बजे से रात 10 बजे तक प्लेटफार्म पर आने वाली ट्रेनों के कोच संख्या की पोजिशन लेने में लगाई गई थी। रात करीब 9रू20 बजे अमित प्लेटफार्म संख्या आठ पर पूर्वा एक्सप्रेस आने वाली थी। तभी एक अज्ञात व्यक्ति सामने से आकर लोहे के रॉड से उनके सिर पर वार कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप जख्मी हो गए। इसके बाद वही व्यक्ति प्लेटफार्म नंबर सात पर खड़ी बुंदेलखंड एक्सप्रेस में ड्यूटी दे रहे हेड कांस्टेबल माधव सिंह पर हमला कर घायल कर दिया। इसके बाद वह पूर्वा एक्सप्रेस के नीचे घुस गया। जिससे उसकी मृत्यु हो गई। जबकि माधव सिंह का इलाज रेलवे अस्पताल में चल रहा है। जीआरपी ने हत्या और हत्या के प्रयास की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

प्रतियोगी छात्रा का कमरे में फंदे से लटकता मिला शव, नहीं मिला कोई सुसाइड नोट

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के बड़ी बगिया में किराए के कमरे में रहने वाली एक प्रतियोगी छात्रा का शव शुक्रवार को उसके कमरे में फंदे से लटकता मिला। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के बड़ी बगिया में किराए के कमरे में रहने वाली एक प्रतियोगी छात्रा का शव शुक्रवार को उसके कमरे में फंदे से लटकता मिला। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कमरे से पुलिस

को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। घटना को लेकर परिजनों से पुलिस पूछताछ कर रही है। गाजीपुर जिले की रहने वाली श्रेयसी (20) कर्नलगंज इलाके के बड़ी बगिया में किराए पर कमरा लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करती थी। शुक्रवार को सुबह उसका शव कमरे में फंदे से लटकता मिला। कमरे की कुंडी अंदर से बंद थी। सुबह काफी देर तक बाहर न निकलने पर मकान मालिक ने खिड़की से देखा तो घटना की जानकारी हुई। उसने पुलिस को सूचना देने के साथ ही घटना के संबंध में कुछ दूर पर रहने वाले लड़की के भाई को भी बताया। पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। छानबीन में कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। रस्सी के सहारे लटके शव को पुलिस ने नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवती के भाई ने कहा कि परिवार में भी सब कुछ ठीक चल रहा है। उसने आत्महत्या क्यों की इसको लेकर वह भी हतप्रभ है।

रेलवे स्टेशनों के वेटिंग रूम में लगेंगी कुशन वाली बेंच

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों के वेटिंग रूम में कुशन वाली बेंच (गद्दीदार) लगाई जाएंगी। मंडल के प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़ समेत प्रमुख स्टेशनों पर इस तरह की 125 बेंच लगनी हैं। प्रयागराज मंडल के प्रयागराज जंक्शन, छिवकी, मिर्जापुर, मानिकपुर, फतेहपुर, कानपुर, इटावा, टूंडला, अलीगढ़ आदि रेलवे स्टेशनों के वेटिंग रूम में स्टील बेंच लगी हैं। कभी–कभार ट्रेनें पांच से छह घंटे लेट होती हैं तो स्टील बेंच पर भी यात्रियों को ज्यादा देर तक बैठने में दिक्कत होती है। इसी समस्या को देखते हुए रेलवे प्रशासन अब प्रमुख स्टेशनों पर कुशन युक्त स्टील बेंच लगाने जा रहा है। प्रयागराज मंडल के सीनियर डीसीएम हिमांशु शुक्ला ने बताया कि यह कार्य स्वीकृत हो गया है। मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर इस तरह की बेंच लगाई जा रही हैं।

महाकुम्भ समापन के चार महीने बीते, राह पर अब भी डायवर्जन की दीवार

प्रयागराज। महाकुम्भ मेला के दौरान यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए जहां कई नई सड़कें बनाई गईं, वहीं कई मार्गों को बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया गया था। न्यू अलोपीबाग की एक सड़क को भी आरसीसी के बड़े–बड़े बोल्डर लगाकर बंद किया गया। अब मेला बीते चार माह से ज्यादा समय हो गया, लेकिन बैरिकेडिंग हटाकर सड़क अभी तक नहीं खोली गई। इससे सैकड़ों लोगों को दूसरे रास्तों से आना–जाना पड़ता है। कई दशक से इस सड़क से आवागमन कर रहे लोग रास्ता बंद होने से परेशान हैं।

प्रशासन की इस लापरवाही से परेशान लोगों का कहना था कि लगातार शिकायत के बाद जिम्मेदार नहीं सुन रहे हैं। महाकुम्भ मेला के दौरान भारी यातायात दबाव के चलते न्यू अलोपीबाग में पेट्रोल टंकी के बगल वाली सड़क को आरसीसी के बोल्डर लगाकर बंद कर दिया गया था। उस दौरान भीड़ को देखते हुए कई मार्ग बंद कर दिए गए थे, जो मेला समाप्त होने के बाद खोल दिए गए, लेकिन न्यू अलोपीबाग की सड़क पर की गई बैरिकेडिंग को हटाना प्रशासन भूल गया। यहां के बाशिंदों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। लोगों को फोर्ड रोड चौराहा या गीता निकेतन की ओर से घूम कर आना–जाना पड़ रहा है। यह रास्ता बंद कर दिए जाने से फोर्ड रोड चौराहा सहित कई जगह जाम लगने लगा है। करीब छह दशक पूर्व बसे न्यू अलोपीबाग में तमाम जनप्रतिनिधि, व्यवसायी, शिक्षाविद और प्रशासनिक अधिकारी भी रह रहे हैं। पेट्रोल टंकी के बगल वाली सड़क से होकर लोग सीधे मुख्य मार्ग पर आ जाते थे। लेकिन लगभग पांच माह से पेट्रोल टंकी के बगल की सड़क बंद होने से लोग परेशान हैं। आवागमन के लिए गीता निकेतन और फोर्ड रोड चौराहे वाला रास्ता विकल्प है। रॉन्ग साइड से निकलने के कारण गीता निकेतन और फोर्ड रोड चौराहे पर जाम भी लग रहा है। लोगों को उम्मीद थी कि महाकुम मेला बीत जाने के बाद बैरिकेडिंग हटाकर रास्ता खोल दिया जाएगा। अब तक सड़क पर बैरिकेडिंग को लेकर लोग लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस समस्या से करीब दो सौ से ज्यादा परिवार

प्रभावित हैं। सैकड़ों लोगों को मार्ग बदल कर दूसरे रास्ते से आना जाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत नगर निगम के उच्चाधिकारियों सहित महापौर से भी की। मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन समस्या का निदान नहीं हो पाया है। इससे लोगों में काफी नाराजगी है। जल निकासी की व्यवस्था ध्वस्त, सड़कों पर जलभराव यहां जल निकासी की समस्या से भी लोग लम्बे समय से परेशान हैं, लेकिन समस्या का स्थायी निदान नहीं हो सका है। यहां जल निकासी के लिए नालियों नहीं बनी हैं, जहां बनी हैं वहां अतिक्रमण कर निर्माण कर लिए गए हैं। इससे पानी की निकासी नहीं हो पाती और गंदा पानी सड़क पर भरा रहता है। पेट्रोल टंकी के पास से बगल से एक बड़ा नाला गया है। लेकिन नालियां नाले से कनेक्ट नहीं हैं, जिससे बारिश में जलभराव की विकट समस्या हो रही है। लोग लगातार पक्की नालियां बनाने की मांग करते आ रहे हैं। खींचतान से विकास हो रहा बाधित न्यू अलोपीबाग का कुछ हिस्सा अलोपीबाग वार्ड में आता है, जबकि कुछ भाग मधवापुर वार्ड में लगता है। दो वार्डों में बसे इस इलाके को जनप्रतिनिधि कुछ खास तवज्जो नहीं देते, जिससे क्षेत्र का विकास प्रभावित हो रहा है। यहां सफाई व्यवस्था बेहद लचर है। जगह जगह गंदगी पसरी रहती है। अतिक्रमण और अवैध निर्माण के कारण कॉलोनी की सूरत बिगड़ रही है। बीच सड़क डेयरी चल रही है। सड़क पर मवेशी बांधे जाते हैं। शिकायत के बावजूद सुनवाई नहीं हो रही है। खुले पड़े हैं बिजली उपकरण, गिर सकता है खंभा यहां पार्क के पास बिजली के उपकरण खुले में लगे हुए हैं। लोगों ने बताया कि बारिश में यहां पानी भरा रहता है और करंट फैलने का खतरा बना रहता है। कुछ दिनों पहले एक मवेशी की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई थी। बिजली के खंभे भी जर्जर हो गए है। पोल तार के सहारे टिके हुए हैं। शिकायतें – पेट्रोल टंकी की बगल वाली सड़क पर बैरिकेडिंग कर बंद कर दी गई है। – पक्की नालियों के अभाव में जल निकासी की समस्या बनी रहती है। – लचर सफाई व्यवस्था के कारण गलियों में कचरा पसरा रहता है। – बिजली के उपकरण खुले हुए हैं, जर्जर खंभे कभी भी गिर सकते हैं। सुझाव – बैरिकेडिंग हटा कर आवागमन सुगम कराया जाए। – सड़क के दोनों तरफ पक्की नालियों का निर्माण किया जाए। – सफाई व्यवस्था दुरुस्त हो, इसकी मॉनीटरिंग की जाए। – बिजली के उपकरणों को ढक कर सुरक्षित किया जाए। हमारी भी सुनें बैरिकेडिंग कर सड़क बंद कर दी गई है, जिसके कारण हम लोगों को घूमकर आना–जाना पड़ रहा है। सड़क को खोल दिया जाए तो काफी राहत मिले। – प्रो. अंजना श्रीवास्तव हम लोग कई दशक से यहां रह रहे हैं और इसी रास्ते से आते–जाते रहे हैं, लेकिन महाकुम्भ के दौरान बंद की गई सड़क को अभी तक नहीं खोला गया। – प्रो. अम्बालिका सिन्हा बैरिकेडिंग कर रास्ता बंद कर दिया गया। लोगों ने बोल्डर खिसका कर कुछ रास्ता बना लिया है, बाइक तो निकल जाती है, लेकिन कार नहीं निकल पाती। – प्रो. मनीष सिन्हा महाकुम्भ मेला के दौरान रास्ता बंद कर दिया गया जो अभी बंद है। इससे हम लोग काफी परेशान हैं, फोर्ड रोड चौराहे की तरफ से घूम कर जाना पड़ रहा है। –अरुण श्रीवास्तव नालियों के अभाव में बारिश का पानी नहीं निकल पाता और सड़कों पर जलभराव हो जाता है। पक्की नालियां बन जाए तो लोगों को राहत मिले। – संगमलाल गुप्ता बिजली के उपकरण खुले में लगे हुए हैं और खंभे जर्जर हो चुके हैं, जिससे कभी भी हादसा हो सकता है। जिम्मेदारों को इस पर ध्यान देना होगा। – राकेश खरे रास्ता बंद होने से बड़ी संख्या में लोग परेशान हैं। इस रास्ते से कई दशक से आते–जाते रहे हैं, रास्ता खुलना बेहद जरूरी है। कोई सुनवाई नहीं हो रही है। – अनिल निगम रास्ता बंद कर देने से घूम कर आना–जाना पड़ रहा है। प्रशासन रास्ता खुलवा कर समस्या का समाधान कराए। लोगों की सहूलियत का ख्याल रखा जाए। – पुलकित पेट्रोल टंकी के पास की सड़क से होकर ही हम लोग आते–जाते रहे हैं, लेकिन महाकुम्भ के दौरान अचानक यह रास्ता बंद कर दिया गया जिससे बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। – अलका खरे कॉलोनी में सफाई कभी नहीं होती। गलियों में कचरा फैला रहता है। अब तो रास्ता भी बंद कर दिया गया है। समस्याओं का समाधान जरूरी है। – नीरज उपाध्याय महाकुम्भ मेला के समय इस सड़क को बंद किया गया था, अब इतना समय गुजरने के बाद भी बैरिकेडिंग नहीं हटाई गई है। लोग परेशान हैं। – शैल उपाध्याय पेट्रोल टंकी के पास की सड़क यहां का मुख्य रास्ता था। इसे बंद करना उचित नहीं है। बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते थे। – राज गुप्ता जब से रास्ता बंद कर दिया गया है हम लोगों को घूम कर जाना पड़ रहा है। गीता निकेतन या फोर्ड रोड चौराहे की तरफ से जाते हैं तो जाम में फंस जाते हैं। – शैलेन्द्र त्रिपाठी किसी का रास्ता बंद कर दें तो परेशानी तो होगी ही, लेकिन इसे तो जिम्मेदारों को देखना होगा कि समस्या का समाधान कैसे हो। रास्ता खुले तो राहत मिले। – तृप्ति सिंह पहले हम लोग पेट्रोल पंप के पास से होकर आसानी से आते–जाते थे, लेकिन कई लंबे समय से सड़क को बंद कर देने से सभी परेशान हैं। ऋतु पाल सड़क को बंद कर देने के कारण हमें घूम कर जाना पड़ रहा है। महाकुम्भ मेला समाप्ति के बाद सड़क से बैरिकेडिंग हटा लेनी चाहिए थी। – शिप्रा रास्ता कब खुलेगा, कोई जिम्मेदार जवाब भी नहीं दे रहा है। यह रास्ता अब तक क्यों बंद रखा गया है। सभी लोग परेशान हैं। – सोनाली महाकुम्भ मेले के दौरान रास्ता बंद कर दिया गया तो लगा कि यह समस्या अस्थाई है। मेला बाद रास्ता खुल जाएगा, लेकिन अभी तक बैरिकेडिंग हटाकर रास्ता नहीं खोला गया। – पीके सिन्हा

कांवड़ियों के लिए प्रयागराज–वाराणसी मार्ग बना वनवे, पुलिस ने की बैरिकेडिंग

प्रयागराज। कांवड़ यात्रा को लेकर यातायात पुलिस ने जीटी जवाहर अलोपीबाग चुंगी से भीटी प्रयागराज सीमा (वाराणसी मार्ग) तक बाईं (उत्तरी) लेन पर वाहनों के आवागमन पर शुक्रवार से प्रतिबंध लगा दिया है। यह एकल मार्ग सिर्फ कांवड़ियों के लिए आरक्षित किया गया है।

कांवड़ यात्रा को लेकर यातायात पुलिस ने जीटी जवाहर अलोपीबाग चुंगी से भीटी प्रयागराज सीमा (वाराणसी मार्ग) तक बाईं (उत्तरी) लेन पर वाहनों के आवागमन पर शुक्रवार से प्रतिबंध लगा दिया है। यह एकल मार्ग सिर्फ कांवड़ियों के लिए आरक्षित किया गया है। दाईं (दक्षिणी) लेन से सभी वाहनों का आवागमन होगा। यह व्यवस्था नौ अगस्त तक लागू रहेगी।

सावन माह शुक्रवार से शुरू होकर नौ अगस्त तक रहेगा। कांवड़ यात्रा के दौरान प्रथम सोमवार, द्वितीय सोमवार, कृष्ण पक्ष श्रावण शिवरात्रि, श्रावण

कृष्ण पक्ष अमावस्या, तृतीय सोमवार, नाग पंचमी, चतुर्थ सोमवार, श्रावण शुक्ल पक्ष त्रयोदशी और रक्षा बंधन पूर्णिमा को देखते हुए पूरे रूट पर एकल मार्ग की व्यवस्था की गई है।

इसके लिए पूरे शास्त्री पुल पर 350 से अधिक बैरिकेड लगाए गए हैं। वहीं, यातायात पुलिस की 10 टीमें तैनात की गई हैं। यह टीमें जाम से छुटकारा दिलाने के अलावा वाहनों के खराब होने पर समस्या का समाधान करेंगी। यातायात प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि बैरिकेडिंग की व्यवस्था पूरी कर ली गई है। शुक्रवार से डायवर्जन शुरू हो जाएगा।

शहर में यहां से होगी वाहनों की इंट्री

1– शहर में लोड, अनलोड के (मूलभूत सुविधाओं वाले) वाहन धूमनगंज व फाफामऊ मार्ग से प्रवेश करेंगे।

बसों का यहां से होगा आवागमन

1– वाराणसी की तरफ से आने वालीं रोडवेज बसें हंडिया–सहसों–फाफामऊ के रास्ते प्रयागराज में प्रवेश करेंगी। शास्त्री ब्रिज का प्रयोग पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा।

2– जौनपुर की तरफ से आने वालीं रोडवेज बसें फूलपुर–सहसों–फाफामऊ के रास्ते प्रयागराज में प्रवेश करेंगी। यहां भी शास्त्री ब्रिज का प्रयोग पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा।

यहां–यहां रहेगा डायवर्जन

1– कानपुर की ओर से वाराणसी को जाने वाले भारी वाहन कानपुर, रामादेवी, जाजमऊ–शहीद चंद्रशेखर आजाद मार्ग, बदरका, अचलगंज, बीघापुर, रायबरेली, प्रतापगढ़, जौनपुर के रास्ते वाराणसी की तरफ जाएंगे। वापसी का मार्ग भी यही रहेगा।

2– कौशाम्बी की तरफ से आने वाले वाहन प्रयागराज बाईपास से सोरांव कट से उतरकर भुपियामऊ (प्रतापगढ़), मुगराबादशाहपुर, मछली शहर के रास्ते वाराणसी जाएंगे।

3– लखनऊ की ओर से वाराणसी जाने वाले भारी/कॉमर्शियल वाहन रायबरेली, सलोन, प्रतापगढ़, जौनपुर के रास्ते वाराणसी जाएंगे। वापसी का मार्ग भी यही होगा।

4– प्रतापगढ़ की ओर से वाराणसी जाने वाले वाहन प्रतापगढ़, मछली शहर, जौनपुर के रास्ते वाराणसी जाएंगे। वापसी भी इसी मार्ग से होगी।

5– रीवा की ओर से वाराणसी जाने वाले वाहन मनगवां, हनुमना से मिर्जापुर के रास्ते वाराणसी जाएंगे।

6– रीवा से लखनऊ, कानपुर जाने वाले वाहन चित्रकूट, बांदा, चौडगरा, फतेहपुर होकर अपने गंतव्य को जाएंगे। वापसी का मार्ग भी यही होगा।

7– चित्रकूट की तरफ से आने वाले वाहन राजापुर, कौशाम्बी, कोखराज होकर जाएंगे।

इन दिनों पर लागू रहेगा डायवर्जन

– 12 जुलाई रात 10 से 15 जुलाई रात 10 बजे तक।

– 19 जुलाई रात 10 से 25 जुलाई रात 10 बजे तक।

– 27 जुलाई रात 10 से 30 जुलाई रात 10 बजे तक।

– दो अगस्त रात 10 से पांच अगस्त रात 10 बजे तक।

– छह अगस्त रात 10 से नौ अगस्त रात 10 बजे तक।

धर्मस्थल के पास बमबाजी करने वाले पर 25 हजार का इनाम घोषित, जारी किया स्क्रेच

प्रयागराज। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के बक्शी बाजार स्थित एक धर्मस्थल के पास बमबाजी करने वाले बदमाश की पुलिस ने पहचान कर ली है। पुलिस के अनुसार पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के मरियाडीह गांव के रहने वाले बान उर्फ मिस्बाहुद्दीन उर्फ आरडीएक्स पुत्र जियाउद्दीन ने आठ जुलाई को बमबाजी करके सनसनी फैला दी थी। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के बक्शी बाजार स्थित एक धर्मस्थल के पास बमबाजी करने वाले बदमाश की पुलिस ने पहचान कर ली है। पुलिस के अनुसार पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के मरियाडीह गांव के रहने वाले बान उर्फ मिस्बाहुद्दीन उर्फ आरडीएक्स पुत्र जियाउद्दीन ने आठ जुलाई को बमबाजी करके सनसनी फैला दी थी। उसके ऊपर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया है। लगातार दबिश के बावजूद वह अभी तक पुलिस की पकड़ से दूर है। पुलिस ने उसका फोटो और स्क्रेच जारी किया है। खुल्दाबाद इलाके के बक्शी बाजार मोड़ पर एक धर्मस्थल के नजदीक आठ जुलाई की देर रात बमबाजी की गई थी। इससे इलाके में दहशत फैल गई थी। घटना के बाद सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने बदमाश की पहचान कर ली। उसको पकड़ने के लिए कई टीमें लगाई गईं, लेकिन सफलता नहीं मिला।

शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

प्रयागराज। सावन माह के पहले दिन शुक्रवार को यमुना तट पर स्थित पौराणिक श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर समेत अन्य शिवमंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। भोर से ही बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने मंदिरों में पहुंचकर बाबा का जलाभिषेक और पूजन किया। सावन माह के पहले दिन शुक्रवार को यमुना तट पर स्थित पौराणिक श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर समेत अन्य

शिवमंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। भोर से ही बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने मंदिरों में पहुंचकर बाबा का जलाभिषेक और पूजन किया। गंगाजल, धूप, दीप, अक्षत,बेलपत्र, मिष्ठान, चंदन आदि समर्पित कर आरती उतारी। भोले के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। श्री बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। संगम में डुबकी लगाने के बाद भक्तों ने मंदिर पहुंचकर संकट मोचन हनुमानजी का दर्शन किया। बड़ी संख्या में भक्तों ने सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ किया। सिविल लाइंस हनुमान मंदिर स्थित शिव मंदिर और हनुमान मंदिर सहित अन्य देवी देवताओं की पूजा अर्चना की गई। नैनी में अरैल घाट पर स्थित श्री सोमेश्वर महादेव में भी भक्तों की लंबी कतार देखी गई। दशाश्वमेध घाट और संगम तट से बड़ी संख्या में भक्त जल भरकर कांवड़ यात्रा पर काशी के लिए रवाना हुए।

एपीएस परीक्षा–2010 में धांधली आगे की परीक्षाओं पर पड़ी भारी, रिजल्ट जारी न होने से अभ्यर्थी परेशान

प्रयागराज। अपर निजी सचिव (एपीएस) परीक्षा–2010 में धांधली ने एपीएस परीक्षा–2013 व 2023 को संकट में डाल दिया है। एपीएस परीक्षा–2013 का मामला कोर्ट में लंबित है तो एपीएस परीक्षा–2023 के तहत शॉर्ट हैंड व टाइप टेस्ट का रिजल्ट एक साल बाद भी जारी न होने से अभ्यर्थी परेशान हैं। अपर निजी सचिव (एपीएस) परीक्षा–2010 में धांधली ने एपीएस परीक्षा–2013 व 2023 को संकट में डाल दिया है। एपीएस परीक्षा–2013 का मामला कोर्ट में लंबित है तो एपीएस परीक्षा–2023 के तहत शॉर्ट हैंड व टाइप टेस्ट का रिजल्ट एक साल बाद भी जारी न होने से अभ्यर्थी परेशान हैं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की भर्ती परीक्षाओं की जांच कर रही सीबीआई ने एपीएस परीक्षा–2010 के मामले में तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक प्रभुनाथ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि पर्याप्त संख्या में योग्य अभ्यर्थी उपलब्ध होने के बावजूद नियमों से छेड़छाड़ कर अयोग्य को शॉर्ट हैंड व टाइप टेस्ट में सफल घोषित कर दिया गया था। एपीएस भर्ती–2010 में शॉर्ट हैंड व टाइप टेस्ट 135 अंकों का था और न्यूनतम 125 अंक पाने वाले अभ्यर्थियों को क्वालिफाई कराया जाना था। साथ ही शॉर्ट हैंड टेस्ट में पांच फीसदी तक गलती अनुमन्य थी। बाद में आयोग ने बैठक कर तय कर लिया कि अभ्यर्थी को 125 अंक मिल रहे हैं और शॉर्ट हैंड टेस्ट में आठ फीसदी तक गलती है तो अभ्यर्थी उपलब्ध न होने की स्थिति में आयोग अपने विशेषाधिकारी का इस्तेमाल करते हुए अतिरिक्त तीन फीसदी गलती को अनुमन्य करते हुए ऐसे अभ्यर्थियों को भी मौका देगा।

आचार्य रघुवीर फाउंडेशन द्वारा भोजन वितरण सम्पन्न

प्रयागराज। हमारा अस्तित्व सामाजिक है अतः समाज से हमारा संबंध मात्र लेने वाला नहीं अपितु देने वाला भी होना चाहिये,तभी व्यक्ति और समाज दोनों का अस्तित्व सुरक्षित एवं संतुलित रहेगा,ऐसा कहना है आचार्य रघुवीर फाउंडेशन के प्रमुख शास्वत सिंघल का. आचार्य रघुवीर फाउंडेशन

स्वास्थ्य,शिक्षा,महिला सशक्तिकरण आदि के साथ साथ भूख,गरीबी व कुपोषण के उन्मूलन हेतु प्रयासरत है.इसी क्रम में 11 जुलाई 2025 को सम्मलेन मार्ग,रामबाग में फाउंडेशन के माध्यम एवं श्री अशोक कुमार त्रिपाठी के सहयोग से पत्नी स्वर्गीय उर्मिला त्रिपाठी की पुण्य स्मृति में भोजन वितरण किया गया,इसमें 200 से अधिक लोगों ने सम्मान पूर्वक भोजन ग्रहण किया. फाउंडेशन के माध्यम से सतत ऐसे कार्यक्रम होते रहते हैं,और आगे भी होते रहेंगे,उक्त संकल्पों की सिद्धि हेतु आवश्यक हैं की समाज का हर व्यक्ति अपनी भूमिका का निर्वहन करे।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में जागरूकता प्रोग्राम आयोजित

प्रयागराज । सी एम प डिग्री कॉलेज में स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा बैंकिंग में करियर बनाने के लिए जागरूकता प्रोग्राम आयोजित किया गया। सी.एम.पी .महाविद्यालय के कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा कॉलेज के मुख्य परिसर के मिनी ऑडिटोरियम में स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया (एस.बी.आई.) के सहयोग से बैंकिंग में करियर बनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के मुख्य संरक्षक डॉ० राघवेंद्र नाथ सिंह की अध्यक्षता और प्राचार्य प्रो० अजय प्रकाश खरे के कुशल निर्देशन में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । इस कार्यक्रम का संचालन तथा अतिथियों का स्वागत डॉ० रुचिका वर्मा, समन्वयक,

कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा किया गया ।

इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के श्री दीपक कुमार सिंह एस.बी.आई. , असिस्टेंट जनरल मैनेजर, प्रयागराज ने विद्यार्थियों को उनके भविष्य निर्माण में एसबीआई की उपयोगिता से अवगत कराया । साथ ही साथ उन्होंने परीक्षा में चयन की प्रक्रिया के बारे में भी बताया । उन्होंने आंकड़ों के आधार पर बताया कि किस तरह से स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के डिप्टी जनरल सेक्रेटरी, मनिंद्र शुक्ला और मैनेजर ,मेडिकल कॉलेज ब्रांच, रुचि मित्तल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपप्रधानाचार्य प्रोफेसर नीता सिंह , कैरियर काउंसलिंग सेल के सह समन्वयक डॉ० वीरेश्वर पांडे और सदस्य डॉ० सत्येंद्र कुमार, डॉ०शर्मिला, डॉ० खुशबू अग्रवाल , डॉ०प्रणय कांत और डॉ०अर्चना राजे उपस्थित रहे। महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही।

मुजफ्फरनगर मजदूर के बेटे मोहम्मद सुहेल ने पास की नीट की परीक्षा

परिवार के साथ क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर इसी खुशी में शामिल होने पहुंचे

भारतीय किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी शाह आलम

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी शाह आलम ने परिवार के साथ डॉक्टर मोहम्मद सुहेल कों छम्म्ज परीक्षा पास करने पर शुभकामनाएं दी और यह आश्वासन दिया संगठन आपके साथ है संगठन आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है और शिक्षा के क्षेत्र में सभी बच्चों से अपील भी की मोहम्मद सूहेल से सभी बच्चे प्रेरणा ले और शिक्षा की डगर को आसान करें जैसे मोहम्मद सोहेल के पापा ने ई रिक्शा चला कर यह साबित कर दिया कोई भी रास्ता मुश्किल नहीं

मुजफ्फरनगर जिला अध्यक्ष शाहिद राजा ने कहा हमारा संगठन शिक्षा और चिकित्सा के लिए हर संभव संघर्ष के लिए तैयार है। वार्ड,53,,के सभासद अनु कुरैशी ने कहा जो भी बच्चे शिक्षा में आगे बढ़ना चाहते हैं हम अपनी पूरी जिम्मेदारी के साथ ऐसे परिवारों का साथ देने के लिए तैयार है। राष्ट्रीय महासचिव इंतजार राणा, राष्ट्रीय महासचिव शौकत अंसारी, राष्ट्रीय मंत्री अब्दुल सत्तार मंसूरी , प्रदेश मंत्री मोहम्मद नौशाद , सभासद अनु कुरैशी, जिला संगठन मंत्री प्रवेश सिद्दीकी , जिला सचिव चौधरी अफजाल, नगर मीडिया प्रभारी मोहम्मद जीशान , जिला अध्यक्ष प्रतिनिधि अजीम मंसूरी इस मौके पर उपस्थित रहे।

जारी है सदस्यों को त्रयी साधना के माध्यम से सच्चा साधक बनाया जाने का प्रयासः डा. उमर अली शाह

पिठापुरम। पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि सदस्यों को त्रयी साधना के माध्यम से सच्चा साधक बनाया जाने का प्रयास किया जा रहा है।

गुरुवार की सुबह गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर स्थानीय श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के आश्रम परिसर में आयोजित ज्ञान चौतन्य सम्मान की अध्यक्षता पीठाधिपत डॉ. उमर अलीशा स्वामी ने की। मुरमल्ला श्री विजया दुर्गा पीठ के मुख्य आयोजक व प्रसिद्ध पंचांग कर्ता श्री बनाला दुर्गा प्रसाद ने पीठाधिपत डॉ. उमर अली शाह को गजमाला से सम्मानित किया। उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं रोटरी ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन पीठाधिपत डॉ. उमर अलीशा ने किया। रक्तदान शिविर में करीब 90 लोगों ने रक्तदान किया। गुरु पूर्णिमा के शुभ मुहूर्त में पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने 126 लोगों को महामंत्र का उपदेश दिया।

गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर हजारों सदस्यों ने पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह के चरण कमलों में गुलाब की पंक्तियों के साथ पाद पूजा की और सद्गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया। गीतावधानी श्री यरमशेट्टी उमामहेश्वर राव ने पाद पूजा कार्यक्रम का संचालन किया। उमर अली शाह ने ग्रामीण विकास ट्रस्ट के द्वारा एक गरीब परिवार, श्रीमती मंजेसना वेंकट लक्ष्मी को 18,000 रुपये, एक गरीब महिला, वरालक्ष्मी को एक सिलाई मशीन और पक्षियों के भोजन के लिए अनाज के बंडल वितरित किए। श्री अन्नामरेड्डी सोमाराजू और श्रीमती गीतावाणी छात्रवृत्ति के सौजन्य से। डॉ. नारायण ने श्री मोहम्मद रसूल के इतिहास ग्रंथ में 1000 छंदों की एक लघु पुस्तक लिखी है, जो 6 वें पीठाधिपति, कवि शेखर डॉ. उमर अली शाह द्वारा लिखित है। पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के पवित्र महीने में मेरा पौधा मेरी सांस योजना के तहत सभी को तीन पौधे लगाकर उसे गुरु दक्षिणा के रूप में देने की अपील की। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक कमी के कारण असहिष्णुता और अशांति बढ़ रही है और नरसंहार हो रहा है। इसलिए सभी को किसी ज्ञात सद्गुरु की शरण में जाना चाहिए और ज्ञान का प्रकाश जलाकर उस अनुभव से समझना चाहिए कि मानवता ही ईश्वरत्व है और मानव सेवा ही माधव सेवा है।

उन्होंने कहा कि अध्यात्म के माध्यम से जीवन दर्शन को सुखमय बनाया जा सकता है। डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि अध्यात्म के माध्यम से आशा और धैर्य का विकास करके जीवन दर्शन को सुखमय बनाया जा सकता है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय समिति सदस्य डॉ. पिंगली आनंद कुमार, श्री ए.वी.वी. सत्यनारायण, श्री एन. टी. वी. प्रसाद वर्मा, पीठापुरम नगर आयुक्त श्री एन. कनका राव, सेवानिवृत्त आईएएस श्री दसारी श्रीनिवास, श्री मारेड्डी श्रीनिवास, जनसेना पीठापुरम निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी, शांति आश्रम प्रशासक श्री नल्ला सत्यनारायण, सेवानिवृत्त आर. टी. ओ श्री रामचन्द्र राव एवं अन्य ने भाग लिया।

लोकपाल प्रतापगढ समाज शेखर पहुंचे प्रयागराज के पथरताल

श्री हनुमान सिद्धपीठ पर आंवले के 11 पौध किया रोपित

प्रयागराज के कोरांव तहसील के पथरताल में प्रतापगढ जनपद के विश्व प्रसिद्ध आंवले के 11 पौध लोकपाल (मनरेगा) समाज शेखर द्वारा रोपित किए गए। श्री हनुमत सेवा समिति के आग्रह पर लोकपाल ने जिलाधिकारी को अवगत कराके जिला उद्यान विभाग से उत्तम किस्म के 11 पौध श्री हनुमान सिद्धपीठ पथरताल में रोपित किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने यमुनापार विकास समिति के पदाधिकारियों के साथ यमुनापार क्षेत्र की नदियों तथा जल स्त्रोतों का व्यापक भ्रमण कर निरीक्षण किया और स्थानीय सरकार व समाज के प्रतिनिधियों को आवश्यक भूमिका निभाने की अपील की। लोकपाल समाज शेखर को 7 जुलाई को पत्र भेजकर श्री हनुमत सेवा समिति पथरताल के संरक्षक श्री त्रिलोकी नाथ मिश्र ने सिद्ध पीठ पर स्थापित श्री हनुमत वाटिका में अमृतफल आंवले के उन्नत किस्म के पौध हेतु आग्रह किया। लोकपाल ने जिलाधिकारी के माध्यम से उद्यान विभाग से पौध हेतु पत्र जारी कर सहयोग मांगा। जिला उद्यान अधिकारी ने लोकपाल से सम्पर्क कर पौध उपलब्ध कराये। उक्त पौध के साथ कोरांव पहुंच कर लोकपाल ने सभी के साथ पौधों को रोपित किया।

कोरांव में पत्रकार संघ द्वारा आयोजित संगोष्ठी में लोकपाल ने प्रतिभाग कर पत्रकारों तथा सजग समाज को समाज के उत्थान में अपनी निष्पक्ष व प्रभावी भूमिका निभाने का आग्रह किया। वहीं प्राचीन शिवमन्दिर व संस्कृत पाठशाला की दशा देखकर चिन्ता व्यक्त की और स्थानीय समाज, सरकार व नगर पंचायत को अपेक्षित भूमिका निभाने की सलाह दी।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से यमुनापार विकास समिति के अध्यक्ष गजेन्द्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ पत्रकार व शिक्षाविद् जगदम्बा प्रसाद शुक्ल, भगवती मानव कल्याण संगठन के जिलाध्यक्ष गायत्री प्रसाद चतुर्वेदी, प्रमुख शिक्षाविद् एवं लापर रत्न पं ब्रम्हा शंकर त्रिपाठी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष नरसिंह केसरी सहित समाजसेवी व पत्रकार आदि शामिल रहे।

आगरा नगर निगम अंतर्गत सामाजिक संस्था लीडर्स आगरा पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त एवं कूड़ा मुक्त शहर बनाने हेतु सभी दुकानों पर डस्टबिन रखने सहित समस्त स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत सहयोग करने हेतु वचनबद्ध

आगरा। नगर निगम के नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल की अध्यक्षता कपड़े के थैले पोस्टर का विमोचन किया गया मौके पर अपर नगर आयुक्त शिशिर कुमार,सहायक नगर आयुक्त अशोक प्रिय गौतम डॉ बलजीत सिंह एवं माननीय पार्षदगण की उपस्थिति में समाजसेवी संस्था लीडर्स आगरा के महामंत्री सुनील जैन,सुनील बग्गा एवं सदस्यों द्वारा स्वच्छता अभियान की शुरुवात की गई।

लीडर्स आगरा परिवार ने आज नगर निगम परिसर मे अधिकारियों,कर्मचारियों,जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक का त्याग कर कपडे के थैले वितरित कर जागरूकता अभियान चलाया। नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल ने खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा जनसहभागिता से ही स्वच्छता संभव है सभी के सहयोग से ही नगर निगम स्वच्छता मानकों में अव्वल रहेगा आने वाले समय में समाजसेवी संस्थाओं की बैठक कर सभी की सहभागिता से नगर को सुंदर बनाने हेतु प्रयासरत है। कार्यक्रम के आयोजक माननीय पार्षद शरद चौहान ने बताया कि शहर मे तपन फाउंडेशन,डॉ ज्ञानप्रकाश गुप्ता,डॉ अनूप खरे,डॉ बी. के.अग्रवाल बड़ी संख्या में कपडे के थैले तैयार करवा कर नागरिकों को प्रोत्साहित कर रहे है। कार्यक्रम मे पर्यावरण अभियंता पंकज भूषण,नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव वर्मा,भाजपा पार्षद दल के नेता शेरा भाई,माननीय पार्षदगण रवि माथुर,शरद चौहान,राकेश जैन, अमित सिंह पटेल,निरंजन सिंह,स्वच्छ भारत मिशन से केके पांडे, आईटी एक्सपर्ट गौरव सिन्हा,तथा लीडर्स आगरा परिवार से सुनील जैन,सुनील बग्गा,राहुल जैन,ऋतुराज दुबे,अवधेश उपाध्याय,पूजा भौमिक उपस्थित रही।

मोहिउद्दीन बादशाह जयंती पर जरूरतमंद को नया घर प्रदत्त

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के आठवें पीठाधिपति श्री मोहिउद्दीन बादशाह का जन्मदिन गुरुवार को मनाया गया। इस अवसर पर नवम पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने स्वर्गस्थ पेदापाटि धर्मय्या परिवार के लिए एक नया घर का निर्माण कर उन्हे प्रदान किया। इस अवसर पर, नवम पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि धर्मय्या ने मेरे पिता, आठवें पीठाधिपति परब्रह्म श्री मोहिउद्दीन बादशाह की महान सेवा की।धर्मय्या के निधन के बाद, उनके पुत्र रत्न राजू माली हालत ठीक न थी , इसलिए उन्होंने हमारे पिता, परब्रह्म श्री मोहिउद्दीन बादशाह स्वामी की जयंती के शुभ अवसर पर उनके लिए एक घर बनवाने का अनुरोध किया । आज, हमारे भाई अहमद अली शाह, हुसैन शाह और धर्मय्या के परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में इस घर का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, दासरी श्रीनिवास (सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी) ने कहा कि पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह की सेवा अद्भुत और विलक्षण है, जिन्होंने न केवल अध्यात्म की शिक्षा दी, बल्कि स्वर्गस्थ पेदापाटि धर्मय्या परिवार के लिए एक घर भी बनवाया और उनके पुत्र रत्नराजू और उनके परिवार के सदस्यों से उसका उद्घाटन करवाया। हैदराबाद जे. एन. टी. यू. के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. के. ईश्वर प्रसाद, नगरपालिका फ्लोर लीडर अल्लावरपु नागेश, 16 वार्ड पार्षद पेदापाटि राजेश और पीठाधिपति सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

बघरा, दरगाह ए आलिया बाबुल हवाईज का चुनाव शांति पूर्ण सम्पन्न

बघर, दरगाह ए आलिया बाबुल हवाईज का चुनाव 1963 से शुरू हुआ हर साल की तरहा इस साल भी शांति पूर्ण हुआ चुनाव का रिजल्ट आने के बाद दरगाह की कमेटी इस प्रकार बनी दरगाह के अध्यक्ष सरताज हुसैन, उपाध्यक्ष हाजी ज़फर अब्बास, महासचिव आस मोहम्मद, सयुंक्त सचिव रिज़वान जाफर, खजाँची हाजी अकबर अब्बास, प्रचार सचिव डॉक्टर हसन मेंहदी, लेखा परीक्षक मोहम्मद हाशिम को बनाया गया इस चुनाव मे खास बात ये रही की दरगाह के कुछ जरनल मेंबर दिल्ली से चुनाव मे हिस्सा लेने के लिए आए। जीशान अली ने बताया की कार्यकारी सदस्यों के नाम इस प्रकार है हाजी ज़हीर हसन, नासिर हुसैन, हाजी निसार हुसैन, हाजी मोहम्मद अब्बास, रईस हैदर, हसन रज़ा प्रधान, मास्टर हैदर अली, मोहम्मद रज़ा प्रधान, इमरान अली, विलादत अली, क़मर अब्बास आदि बनाए गए।

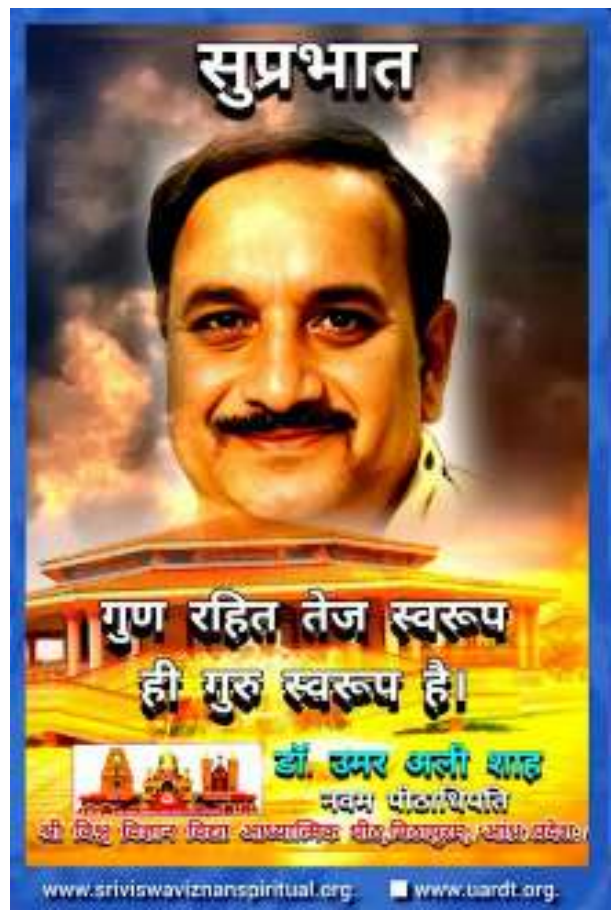

अनारस आम

(कुण्डलिया)

जिसे नवाबों का मिला, संरक्षण अरु प्यार।
वही मुर्शिदाबाद का, बना आम–आधार।
बना आम–आधार, प्यार से कहें 'अनारस'।
जिसने इसको चखा, बढ़ाई करता हँस हँस।
सुन लो कहें प्रदीप,मिठाई बनती इससे।
पतली सुन्दर त्वचा, बनाती है सुन्दर जिसे।।

अनानास अरु आम की, संकर जाति प्रजाति।
नाम 'अनारस' से इसे, मिली जगत में ख्याति।
मिली जगत में ख्याति, स्वाद है तीखा–खट्टा।
मध्यम कद का आम, मगर है हट्टा–कट्टा।
चखकर इसे प्रदीप, बताते राम कहानी।
मिश्रित है रस स्वाद, अनानास अरु आम की।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

समाजसेवी मनीष चौधरी ने श्रावण मास प्रारंभ पर भगवान आशुतोष का जलाभिषेक कर देश में सुख–शांति की कामना की

मुजफ्फरनगर। पवित्र श्रावण मास के शुभारंभ अवसर पर राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष एवं प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी आज प्रातः नगर के हृदय स्थल शिव चौक पहुंचे, जहां उन्होंने श्रद्धा भाव से भगवान आशुतोष (शिव शंकर) का विधिवत जलाभिषेक किया। इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने देशवासियों के लिए सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का सबसे पावन महीना है, और इस दौरान की गई

प्रार्थनाएं शीघ्र फलदायी होती हैं। मौके पर श्रद्धालुजन भी उपस्थित रहे और पूरे श्रद्धा भाव से 'हर–हर महादेव' के जयघोष के साथ इस आयोजन में भाग लिया। चौधरी ने इस अवसर पर सभी नागरिकों से अपील की कि वे श्रावण मास में जलाभिषेक, उपवास और सेवा कार्यों के माध्यम से आध्यात्मिकता को अपनाएं और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें।

उन्होंने जनपदवासियों से अपील की है कि श्रावण मास में पवित्र कांवड़ यात्रा शुरू हो चुकी है और जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरने वाले करोड़ों शिवभक्तों भोलों की खूब सेवा करें और पुण्य कमायें। उन्होंने कांवड़ियों से भी अनुरोध किया है कि छोटी–छोटी सी घटनाओं को अनदेखा कर शांति से अपने गंतव्य तक पहुंच कर भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक करें।

गंगानाथ झा परिसर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन

प्रयागराज। गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन परिसर के मुख्य सभागार में दिनांक 10 को परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में प्रभारी निदेशक प्रो. बनमाली विस्वाल की अध्यक्षता में गुरु पूर्णिमा महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। परिसरीय सभागार में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अन्तर्गत महर्षि वेदव्यास पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। प्रो. बनमाली विस्वाल, निदेशक (प्र.) की अध्यक्षता में व्यास पूजन कार्यक्रम में प्रो. देवदत्त सरोदे (संयोजक,शोध विकास प्रकोष्ठ), प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस"(विभागाध्यक्ष धर्मशास्त्र), प्रो. मनोज कुमार मिश्र (विभागाध्यक्ष वेद), डॉ. सुरेश पाण्डेय (एसोशिएट प्रोफेसर), डॉ. राजकुमार मिश्र (सहायकाचार्य), डॉ. रामरूप (उप पुस्तकालयाध्यक्ष), डॉ. अंजनी कुमार पुण्डरीक (यौगिक विज्ञान), श्री अंकित मिश्र (सहायकाचार्य), श्री राजेशकान्त तिवारी (संगणक विशेषज्ञ) ने संयुक्त रूप से वैदिक मन्त्रोच्चार के साथ व्यास पूजन किया। परिसर के छात्र सौरभ तिवारी, नैमिष अवस्थी एवं निलय शुक्ल ने व्यास पूजन कार्यक्रम सम्पन्न कराया। वैदिक मन्त्रोच्चार के साथ परिसरीय का वातावरण गुरु के सम्मान की भावना से ओत प्रोत दिखा।

सम्पादकीय.....

हिमालयी परिवेश की रक्षा

हाल के दिनों में हिमालयी राज्यों खासकर हिमाचल व उत्तराखंड में अतिवृष्टि और बादल फटने की घटनाओं में जिस तेजी से पुनरावृत्ति हुई है, उसे मौसम के चरम के रूप में देखे जाने की जरूरत है। हालांकि, तात्कालिक जरूरत आपदा प्रभावित जिलों में राहत, बचाव व पुनर्वास के प्रयासों में तेजी लाने की है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत मौसम के चरम के बीच अचानक आती बाढ़ और बार–बार बादल फटने के कारणों को भी समझने की है। हाल ही में, इन्हीं मुद्दों की तरफ हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी ध्यान खींचा है। निस्संदेह, इन कारणों की पड़ताल के लिए विषय विशेषज्ञों की सहायता लेना भी जरूरी है। पिछले दिनों हिमाचल में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में मुख्यमंत्री ने उन उपायों की सूची पर चर्चा की, जिन्हें तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों में नदियों में अवैज्ञानिक तरीके से मलबा फेंकने की जांच, नियमित मौसम अपडेट देना और नदी–नालों से कम से कम सौ मीटर की दूरी पर घरों का निर्माण करना शामिल है। लेकिन इसके प्रभावी लक्ष्य तभी हासिल किए जा सकते हैं जब इस बाबत किसी ठोस योजना को अमलीजामा पहनाया जाए और साथ ही नीतियों के क्रियान्वयन की समय सीमा निश्चित की जाए। निश्चित रूप से मौजूदा संकट को देखते हुए युद्धस्तर पर काम करने की जरूरत है। वह समय चला गया जब सरसरे आदेश दिये जाते और सिफारिशें की जाती थीं। कानूनों और नियमों की अनदेखी के खिलाफ सभी एजेंसियों को तालमेल बैठाकर इस दिशा में अभियान चलाने की जरूरत है। वनों की अवैध कटाई, अनियोजित निर्माण और अवैज्ञानिक विकास प्रथाओं पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है। इसके लिये सरकारी मशीनरी को मिशन मोड में काम करने की जरूरत होगी। जिसके लिये मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है। भले ही राज्य की सत्ता में दो दलों का वर्चस्व हो और उनकी विचारधाराओं में टकराव रहा हो, लेकिन इस मुद्दे पर एकजुट होकर संकट का मुकाबला करने की जरूरत है। निश्चय ही हाल के वर्षों में पहाड़ विरोधी विकास ने हिमालयी राज्यों की अस्मिता को आहत किया है। हिमालयी राज्यों में लोग पहाड़ों के मूल चरित्र में हस्तक्षेप करने वाले विकास की विसंगतियों की कीमत चुके रहे हैं। अब चाहे बड़े बांध हों या फोर लेन सड़के हों। निस्संदेह, विकास हर राज्य की प्राथमिकता है, लेकिन विकास योजनाओं को पहाड़ों की जरूरत के मुताबिक बनाया जाना चाहिए। इन राज्यों में स्थितियां विकट हैं और हालात और खराब होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। भूस्खलन की लगातार बढ़ती घटनाएं और दरकती सड़कें इसकी बानगी मात्र हैं। कुल मिलाकर पहाड़ों के अस्तित्व पर संकट बढ़ा है। निस्संदेह, मौजूदा रणनीति और नीतियां इस संकट से निबटने में सक्षम नहीं हैं। सत्ता में बैठे लोगों के लिये जरूरी है कि वे मौसम विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और क्षेत्र के अनुभवी लोगों से राय लें। साथ ही तकनीकी समाधानों को वरीयता दी जाए। इसमें दो राय नहीं कि मानव जनित समस्याओं के निदान के लिये मानवीय दृष्टि से संवेदनशील समाधान तलाशने की जरूरत है। निश्चित रूप से इसमें समुदाय के तौर पर एकजुटता के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं रह जाता। समय आ गया है कि हम एक बार फिर से पहाड़ों के अनुरूप जीवन शैली को अपनाएं। पहाड़ हमारी आवश्यकता तो पूरी कर सकते हैं, लेकिन वे इंसान की विलासिता का बोझ सहन करने को तैयार नहीं हैं। निश्चित ही आधुनिकता की आंधी में संयम का जीवन और आवश्यकताओं को सीमित करना कठिन कार्य है, लेकिन बचाव का संभवतरू अंतिम उपाय यही है। बहुमंजिला इमारतों को सीमित करना, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और निर्माण से पहले जमीन की क्षमता का आकलन करना जरूरी हो जाता है। नदियों में होने वाले अवैध खनन को रोकना भी उतना जरूरी है, जितना जंगलों का कटान रोकना जरूरी है। पहाड़ों को उस हरीतिमा से ढकना होगा जो भूस्खलन व मिट्टी के कटाव को रोकने में सक्षम हो। साथ ही नदियों के स्वाभाविक प्रवाह को बाधित करने वाले कारकों को दूर करने की भी जरूरत है। दरअसल, नदियां अधिक जल प्रवाह होने पर हमेशा अपने विस्तार क्षेत्र को ही तलाशती हैं।

बिहार ने दिखाया जिंदा कौमें पांच साल इंतजार नहीं करती

डॉ. दीपक पाचपोर

अगर सत्ता पर बैठे लोग अपने कर्तव्यपथ से विचलित दिखें तो फिर जनता को अपने जिंदा होने का सबूत देने के लिए आगे आना चाहिए। वर्ना लोकतंत्र का जनाजा निकलने में देर नहीं होगी।

जब सड़कें सूनी हों तो संसद आवारा हो जाती है, राममनोहर लोहिया की ये बात इस समय बिहार के हालात में बार–बार उठ रही है। बुधवार, 9 जुलाई को बिहार की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा था और इससे संकेत मिले कि अब संसद को न आवारा रहने दिया जाएगा, न बेलगाम। राम मनोहर लोहिया ने ये भी कहा था कि जिंदा कौमें पांच साल इंतजार नहीं करती। इस बात के गहरे मायने हैं, जो लोकतंत्र में लोगों को न केवल उनके अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाते हैं, बल्कि ये भी समझाते हैं कि एक बार वोट डालने से ही लोगों की लोकतंत्र के प्रति जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जातीं, उन्हें उन लोगों पर लगातार नजर भी रखनी पड़ती है जिन्हें लोकतंत्र में शासन की बागडोर सौंपी गई है। अगर सत्ता पर बैठे लोग अपने कर्तव्यपथ से विचलित दिखें तो फिर जनता को अपने जिंदा होने का सबूत देने के लिए आगे आना चाहिए। वर्ना लोकतंत्र का जनाजा निकलने में देर नहीं होगी। बिहार में बुधवार को लोगों ने अपने जिंदा होने का ही सबूत दिया और विपक्ष ने बड़े सलीके से उनका नेतृत्व किया। यह अद्भुत दृश्य था कि बिहार चुनाव से पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव एक साथ सड़क पर उतरे और ऐलान किया कि इस बार लोकतंत्र को कुचलने और चुनाव में चोरी के मौके देने की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। गौरतलब है कि अभी बिहार में चुनाव की तारीखें घोषित नहीं हुई हैं, न ही विपक्षी गठबंधन के बीच सीटों का बंटवारा हुआ है। हालांकि राहुल गांधी जनवरी से लगातार बिहार के अलग–अलग हिस्सों में दौरे कर रहे हैं, लेकिन ये पहली बार है कि राहुल गांधी किसी विरोध प्रदर्शन का हिस्सा बनने बिहार पहुंचे। पिछले महीने जून की शुरुआत में ही राहुल गांधी का एक लेख देश भर के अखबारों में छपा था, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र में चुनाव की चोरी कैसे हुई, इस पर अपने विचार रखे थे और बिहार को लेकर आगाह किया था। अब बिहार में राहुल गांधी ने फिर उसी बात को दोहराया है। बुधवार के चक्काजाम में राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा चुनाव में वोट की लूट हुई। चुनाव में गरीब और दलित के वोट काटे गए। जब हमने चुनाव आयोग से कहा कि आप हमें वोटर लिस्ट दीजिए, वीडियोग्राफी दीजिए तो चुनाव आयोग ने इस पर एक शब्द नहीं कहा। हमें आज तक महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट नहीं मिली और वीडियोग्राफी का कानून बदल दिया गया। ये सब इसलिए किया गया, क्योंकि ये सच्चाई छिपाना चाहते हैं। हम बिहार आए हैं, यहां लोग संविधान के लिए शहीद हुए। हमारे संविधान में लिखा है कि हिंदुस्तान के हर नागरिक को वोट देने का अधिकार है। मैं हिंदुस्तान और बिहार की जनता को बताना चाहता हूं कि जैसे महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था, उसी तरह बिहार का चुनाव भी चोरी करने की कोशिश की जा रही है। उन्हें पता चल गया है कि हमें महाराष्ट्र मॉडल समझ आ गया है, इसलिए अब वे बिहार मॉडल लेकर आए हैं। मैं आपको साफ बताना चाहता हूं कि यह गरीबों का वोट छीनने का तरीका है, लेकिन इनको पता नहीं है कि ये बिहार है और बिहार की जनता ऐसा कभी नहीं होने देगी। पाठक जानते हैं कि बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव आयोग मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान चला रहा है, जिसका विपक्षी दल विरोध कर रहे हैं. इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग जिन 11 दस्तावेज की मांग कर रहा है, वे दस्तावेज राज्य के गरीब तबकों के पास अमूमन नहीं हैं और आशंका है कि इन्हें उपलब्ध न कराने पर करोड़ों नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं। यह कवायद संविधान विरोधी कही जा रही है, क्योंकि भारत का संविधान जाति, धर्म, संपत्ति, लिंग इन सबके भेदभाव से परे हरेक नागरिक को मत का अधिकार देता है। नागरिकों के मताधिकार की रक्षा हो, देश में निष्पक्ष चुनाव हों, इन्हीं उद्देश्यों के साथ ही निर्वाचन आयोग का गठन किया गया था। यह आयोग की जिम्मेदारी थी और अब भी है कि वह खुद नागरिकों तक पहुंचकर उन्हें मताधिकार दे, लेकिन बिहार में चुनाव आयोग की मौजूदा कवायद तो लोगों को खुद को नागरिक साबित करने की चुनौती में उलझा रही है। जो अपने आप को नागरिक साबित नहीं कर पाएंगे, उन्हें मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाएगा। हालांकि अब राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को आगाह कर दिया है कि वह कानून से परे नहीं है और न ही वह बीजेपी का काम करने के लिए है। चुनाव आयोग का काम संविधान की रक्षा करने का है, लेकिन ये अपना काम नहीं कर रहे हैं, ये आरोप राहुल गांधी ने लगाया है। राजनैतिक दलों का चुनाव आयोग से भरोसा उठे, यह स्थिति लोकतंत्र के लिए अच्छी नहीं है। मगर पिछले 11 सालों के चुनाव पैटर्न पर ध्यान दीजिए तो लगभग हर चुनाव से पहले या बाद में चुनाव आयोग के खिलाफ शिकायतें हो रही हैं, अदालतों के दरवाजे खटखटाए जा रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्तों के बयानों पर सवाल उठ रहे हैं या विवाद खड़े हो रहे हैं। इससे पहले देश का ध्यान इस बात पर नहीं जाता था कि कब चुनाव आयोग प्रेस कांफ्रेंस कर रहा है, कब नए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति हो रही है या किसी चुनाव में कब कौन सी बड़ी गड़बड़ी हुई है। लेकिन मोदी सरकार के सत्ता में आते ही ये सारी बातें लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। कभी चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं, कभी चुनाव आयोग के नियमों में संशोधन पर आपत्ति होती है, कभी विपक्ष शिकायत करता है कि आयोग उसे मिलने का वक्त नहीं देता, उसके सवालों का सही जवाब नहीं देता, कभी चुनाव आयोग विपक्ष पर तंज कसते हुए जवाब देता है, मानो वह निष्पक्ष संस्था नहीं सत्तारुढ़ दल का साथी है।

भारत को नीचा दिखाने में लगीं अघोषित शक्तियां

सर्वमित्रा सुरजन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जिन छिपे उद्देश्यों के साथ इस कुर्सी पर बिठाने की मुहिम 21वीं सदी के शुरुआती दशक में की गई थी, वो सारे उद्देश्य अब लगभग पूरे होते दिख रहे हैं। संवैधानिक मर्यादा, लोकतांत्रिक तकाजे, समानता, सौहार्द्र, भाईचारे के ख्वाब सब तार–तार होते दिख रहे हैं। भारत को नीचा दिखाने की कोशिश में लगी दुष्ट ताकतें यही तो चाहती थीं। देश के भीतर और देश के बाहर दोनों जगह काम कर रही ऐसी शक्तियां चाहती थीं कि भारत अब तक अपने जिन मूल्यों और सिद्धांतों की बुनियाद पर मजबूती से खड़ा हुआ है, उन्हें किसी भी तरह लोगों से दूर किया जाए। इन शक्तियों को सबसे ज्यादा तकलीफ इस बात से ही थी कि 1947 में आजाद हुए भारत ने किस तरह खुद को न केवल अपने पैरों पर खड़ा कर लिया बल्कि दुनिया में बाकी प्रगतिशील देशों की अपेक्षा उसकी धाक भी अलग जमी। नेहरूजी के पंचशील और गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत, उससे पहले गांधीजी के सत्य और अहिंसा के नैतिक बल को दुनिया ने पहचाना और सम्मान दिया। हमारे पास बुद्ध, अशोक और अकबर की मिसालें भी रहीं, लेकिन फिर इन महान हस्तियों के बताए रास्ते की अनदेखी और इनके संदेशों को अनसुना करने का नतीजा भारत ने भुगता, एक दो साल नहीं पूरे दो सौ साल की गुलामी में भारत रहा। लेकिन इस गुलामी में ही लोगों ने अपनी गलतियों को समझा और फिर स्वाधीनता आंदोलन के अलग–अलग धड़ों का नेतृत्व कर रहे लोगों की बात सुनी। देश को आजाद कराने के लिए कई तरह की कुर्बानियां दीं। देश आजाद हुआ तो संविधान बनाने में इस बात का खास ख्याल रखा गया कि जिन रूढ़ियों की वजह से भारत का समाज कमजोर होता है, जनता के अधिकारों का हनन होता है, उन्हें दूर किया जाए। इसलिए संविधान में राजनैतिक, आर्थिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक हर पहलू पर बारीकी से ध्यान देकर व्यवस्थाएं बनाई गईं। खास तौर पर भारत के सामाजिक ढांचे और बहुलतावादी संस्कृति को इस तरह समायोजित किया गया कि किसी भी नागरिक को यह न लगे कि उसके साथ अन्याय हुआ है। भारत के संविधान को दुनिया के श्रेष्ठ संविधानों में से एक माना जाता है और भारतविरोधी शक्तियां इसी बात से परेशान भी रहीं कि आजादी के बाद भारत निर्माताओं ने ये कितना मजबूत हथियार जनता के हाथ में दे दिया है। अब अगर इस संविधान को खत्म करने या बदलने की बात कही जाती है, तो इसके पीछे असल में भारत को खत्म करने की मंशा होती है। मौजूदा हालात इसी तरफ इशारा भी कर रहे हैं। 2014 में जब पहली बार नरेन्द्र मोदी सत्ता पर बैठे थे तो एकदम से कट्टर हिंदुत्व और उग्र राष्ट्रवाद का शोर तेज हुआ था। जातीय और धार्मिक झगड़ों में दंगे पहले भी होते रहे, लेकिन देश में स्पष्ट विभाजन नहीं दिखाई देता था, जो 2014 के बाद खुलकर दिखने लगा। यह भारतीय समाज पर चोट का एक हिस्सा ही था, लेकिन दूसरा हिस्सा ज्यादा खतरनाक था, जिसमें संवैधानिक संस्थाओं को पंगु बनाने पर काम शुरु हुआ। निर्वाचन आयोग पर भाजपा के लिए काम करने के आरोप लगे, जो अब भी चल ही रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों की साख खतरे में आई, क्योंकि विपक्ष के नेताओं पर इनकी कार्रवाई तो खूब हुई, लेकिन उन्हें दोषी साबित करने के मामले गिने–चुने ही रहे। जाहिर है विपक्ष को निशाने पर लेने का मकसद सत्ता में बैठे लोगों की मनमानी के मौके बनाना है। वर्ना इन एजेंसियों का काम देश से भ्रष्टाचार को खत्म करना है और हर दिन की घटनाओं को देखें तो समझ आएगा कि भ्रष्टाचार पहले से कई गुना बढ़ चुका है। सौ में से 90 बेईमान, फिर भी मेरा भारत महान, यह संवाद 1997 में आई फिल्म यशवंत में नाना पाटेकर ने कहा था। यह बाद में जुमला ही बन गया और इसे लेकर अक्सर कांग्रेस को घेरा जाता था, क्योंकि तब तक सत्ता पर कांग्रेस ही ज्यादा काबिज रही। फिर बीजेपी सत्ता में आई, लेकिन 2004 से 2014 तक फिर से कांग्रेस सत्ता में रही तो भ्रष्टाचार को देश की सबसे बड़ी समस्या के तौर पर प्रस्तुत करने के लिए अन्ना आंदोलन चलाया गया। आज अन्ना हजारे अपने गांव रालेगण सिद्धि में बैठकर भारत को बर्बाद होते देख रहे हैं और इस समय जिस तरह का भ्रष्टाचार फैला है, उस पर दो शब्द उनके मुंह से नहीं निकलते। इसमें मीडिया भी बड़े भ्रष्टाचारी की तरह ही साथ दे रहा है। किसी संवाद को जुमले की तरह प्रचलित कर उसे सबसे बड़ा सच बनाने की कवायद में सबसे बड़ा हाथ प्रचार तंत्र का ही होता है। सौ में से 90 बेईमान की बात भारत के लोगों के मन में भरने का काम मीडिया के जरिए ही हुआ। लेकिन अब वही मीडिया भ्रष्टाचार के बड़े उदाहरण सामने आने के बाद भी उस पर चर्चा नहीं करता। उसे विपक्ष की खामियों या सांप्रदायिक नफरत फैलाने के लिए खुली छूट दी गई है। बुधवार को गुजरात में महिसागर नदी पर बना गंभीरा पुल बीच से टूट गया। आणंद और वडोदरा को जोड़ने वाला यह पुल 40 साल पुराना था। बताया जाता है कि इसकी कई बार मरम्मत हो चुकी है। लेकिन पुल दो हिस्सों में टूटकर जिस तरह लटका हुआ है, वह भ्रष्टाचार की गवाही चीख–चीख कर दे रहा है। इससे पहले इसी गुजरात में मोरबी पुल भी इसी तरह टूटा था। क्या फर्क पड़ता है कि तब कितनी जानें गई थीं और अब कितनी जानें गईं। क्योंकि लाशों की गिनती और मुआवजे की घोषणा के बावजूद भ्रष्टाचार का सिलसिला थमने वाला नहीं है। वर्ना प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के शोक संदेशों के साथ इस्तीफे के संदेश भी आते। लेकिन इन लोगों को सत्ता पर बने रहना है, क्योंकि जिन लोगों की मदद से ये सत्ता पर बैठे हैं, उनके काम इन्हें करते रहना है। कायदे से इनका काम जनता के काम करना है। लेकिन जब ये जनता के काम करते हैं तो इसे सौगात का नाम देते हैं। फलानी परियोजना का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया, इतने करोड़ की सौगात फलानी जगह को दी, ऐसे ही शीर्षकों से समाचार छपते हैं। जनता को भिखमंगी का एहसास कराया जाता है। लेकिन क्या कभी यह कहते हुए सुना गया कि फलाने उद्योगपति को प्रधानमंत्री ने इतने की सौगात दी, ढिकाने का इतना कर्ज माफ कर उस पर उपकार किया। अरबपति उद्योगपतियों के लिए ऐसी शब्दावली का इस्तेमाल कभी नहीं होगा, क्योंकि सत्ता उनके आगे भिखारियों की तरह हाथ पसारे खड़ी रहती है। सत्ता की सारी हनक आम जनता पर दिखाई देती है, भ्रष्टाचार दूर करने का ज्ञान भी उसी को मिलता है। लेकिन अमीरों से ऐसी बातें कभी नहीं की जाती। व्यापारियों के बड़े–बड़े संगठनों में मंत्री जाते हैं तो वहां से विकास की बड़ी बातें करते हैं, मानो सारा विकास धनपतियों के बूते ही होता है, आम जनता का उसमें कोई योगदान नहीं रहता। सालों साल ऐसी ही बातें सुन–सुन कर जनता भी यही मानने लगी है कि उसके पास तो किसी चीज की शक्ति है ही नहीं। जब जनता में कुंठा बढ़ने लगती है, तो उसका ध्यान भटकाने के लिए सांप्रदायिकता को औजार की तरह इस्तेमाल किया जाता है। कश्मीर फाइल्स, केरला स्टोरीज, और अब उदयपुर फाइल्स जैसी फिल्में बनाकर लोगों को आधे–अधूरे सच के साथ नफरत की घुट्टी पिलाई जा रही है। यह सब भारत को बर्बाद करने की मंशा पाले ताकतों का खिलवाड़ है। हम नहीं जानते कि प्रधानमंत्री मोदी को इस बात का अहसास है या नहीं, लेकिन उनके शासन में यह खिलवाड़ खूब बढ़ा है। जबकि वैश्विक स्तर पर भारत कमजोर हुआ है, इसकी बानगी पहले ट्रंप के लगातार भारत विरोधी बयानों में सामने आई है और अब जिस तरह यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को सजा ए मौत देने का ऐलान हुआ है, वह भी दिखा रहा है कि भारत की पकड़ कमजोर हो रही है। बेशक यमन में हूती विद्रोहियों की सत्ता है और भारत के उनसे कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, लेकिन अभी अपने सारे कूटनीतिक चौनलों का इस्तेमाल कर भारत को अपने नागरिक की जान की रक्षा करनी होगी।

भारत को रक्षा व्यय में पर्याप्त वृद्धि करने की आवश्यकता

नन्तू बनर्जी

यह विश्वास करना कठिन है कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आधार पर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और एक प्रमुख सैन्य शक्ति भारत का रक्षा व्यय जीडीपी के प्रतिशत के रूप में कुवैत और ग्रीस जैसे छोटे–छोटे देशों से भी कम है। दक्षिण एशियाई क्षेत्र में चीन के साथ जटिल भू–राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर कहा जा सकता है कि भारत अपनी रक्षा पर पर्याप्त खर्च नहीं कर रहा है, जबकि उसका नंबर 1 दुश्मन चीन लगातार बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, पाकिस्तान और नेपाल पर अपने बढ़ते आर्थिक और सैन्य नियंत्रण के साथ भारत को घेर रहा है, जिससे भारत पर चीन का खतरा बढ़ता जा रहा है। सकल मूल्य के संदर्भ में, भारत का वार्षिक रक्षा बजट प्रभावशाली नहीं है। भारत का रक्षा व्यय चीन के लगभग 267अरब डॉलर के एक तिहाई से भी कम है। अमेरिका 895 अरब डॉलर के बजट के साथ सबसे बड़ा रक्षा खर्च करने वाला देश बना हुआ है। रूस का रक्षा बजट करीब 126 अरब डॉलर का है। भारत का रक्षा बजट केवल 75 अरब डॉलर के आसपास होने का अनुमान है। प्रभावी रूप से, भारत का रक्षा खर्च उसके सकल घरेलू उत्पाद का 1.9 प्रतिशत है। हालांकि चीन का रक्षा खर्च आधिकारिक तौर पर उसकी अर्थव्यवस्था का केवल 1.5 प्रतिशत अनुमानित है, लेकिन ओआरएफ ऑनलाइनडॉटऑर्ग के अनुसार, इसमें हथियार आयात, पीपुल्स आर्म्ड पुलिस के लिए वित्त पोषण और अनुसंधान और विकास जैसे कई महत्वपूर्ण व्यय शामिल नहीं हैं। नतीजतन, चीन का प्रभावी रक्षा व्यय काफी हद तक छिपा हो सकता है, या फिरयह सार्वजनिक रूप से साझा अनुमान से काफी अधिक हो सकता है। अमेरिका और रूस के बाद तीसरी प्रमुख वैश्विक सैन्य शक्ति, कम्युनिस्ट चीन रक्षा क्षेत्र में अपनी तकनीकी क्षमता का तेजी से आधुनिकीकरण कर रहा है क्योंकि यह दुनिया भर में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है, जो केवल अमेरिका से पीछे है। चीनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई)एशिया, अफ्रीका, यूरोप, लैटिन अमेरिका और प्रशांत क्षेत्र में फैला हुआ है। हाल की रिपोर्टों के अनुसार, चीन के पास श्रीलंका, पाकिस्तान, तंजानिया, मॉरीशस, मालदीव और म्यांमार में संभावित आधार है। चीन इन देशों के हिंद महासागर के बिंदुओं पर वाणिज्यिक बंदरगाह या मुक्त व्यापार क्षेत्र विकसित करने में लगा हुआ है। चीन पारंपरिक हथियारों की बिक्री के लिए अंतिम अनुबंधों के साथ इन देशों का समर्थन भी कर रहा है। अमेरिका चिंतित है, और भारत भी चिंतित है। यह चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता, या क्वाड के गठन की व्याख्या करता है, जो साझा मूल्यों और कानून के शासन के आधार पर एक स्वतंत्र और खुले अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करते हुए, भारत–प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक मंच के रूप में कार्य करता है। क्वाड के सदस्य देश हैंरू अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत। दिलचस्प बात यह है कि 10 सदस्यीय शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की नवीनतम बैठक के बाद, जिसमें चीन, भारत, पाकिस्तान और ईरान शामिल हैं, भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक मसौदा बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख नहीं था। नतीजतन, कोई संयुक्त घोषणा नहीं की गयी। पाकिस्तान का रक्षा व्यय उसके सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2.2 प्रतिशत है। चालू वित्त वर्ष 2025–26 के लिए, देश का रक्षा बजट शुरू में सकल घरेलू उत्पाद का 1.97 प्रतिशत प्रस्तावित किया गया था। हालांकि, हाल ही में भारत–पाकिस्तान के बीच चार दिवसीय युद्ध के बाद, संकेत मिल रहे हैं कि पाकिस्तान का रक्षा व्यय, जिसमें छिपी हुई लागत, सैन्य पेंशन और कुल सैन्य–संबंधी व्यय शामिल हैं, इस वर्ष उसके सकल घरेलू उत्पाद के चार प्रतिशत से अधिक हो सकता है। हाल के वर्षों में, पाकिस्तान का रक्षा व्यय आम तौर पर सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 2.5 प्रतिशत पर रहा है। महत्वपूर्ण युद्ध उपकरणों के भंडार के लिए चीन पर बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर पाकिस्तान दक्षिण और पश्चिम एशियाई दोनों क्षेत्रों में चीन के लिए छद्म युद्ध लड़ने के लिए तैयार दिखाई देता है। पाकिस्तान में चीन का बीआरआई निवेश, मुख्य रूप से चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के माध्यम से, +62 अरब खर्च होने का अनुमान है। सीपीईसीबीआरआई का एक प्रमुख घटक है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच संपर्क और व्यापार को बढ़ाना है। 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ, जो रूस के खिलाफ यूक्रेन के समर्थन में एक छद्म युद्ध लड़ता हुआ प्रतीत होता है, यूक्रेन में रूस की आक्रामकता, सुरक्षा जोखिमों का पुनर्मूल्यांकन, अपनी रक्षा क्षमताओं को आधुनिक बनाने की आवश्यकता और नाटो की रक्षा योजनाओं के साथ बेहतर तालमेल सहित कई कारकों के संयोजन के कारण अपने रक्षा व्यय को अपने सकल घरेलू उत्पाद के पांच प्रतिशत तक बढ़ाने की सोच रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, रूस के खिलाफ यूक्रेन के लंबे युद्ध के पीछे यूरोपीय संघ का एक मजबूत और अधिक एकीकृत यूरोपीय रक्षा समर्थन का फैसला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नाटो के यूरोपीय भागीदारों को लगातार वित्त पोषण करने में रुचि की कमी के मद्देनजर यह निर्णय महत्वपूर्ण है। सकल घरेलू उत्पाद के पांच प्रतिशत के यूरोपीय संघ के रक्षा व्यय लक्ष्य में व्यापक सुरक्षा क्षेत्रों में निवेश शामिल है, जैसे कि बुनियादी ढांचे का उन्नयन (सड़कें, रेलवे, पुल), साइबर रक्षा, सैन्य गतिशीलता और त्वरित सुदृढ़ीकरण की सुविधा। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में दुनिया के शीर्ष सैन्य खर्च करने वालों में शामिल हैंरू यूक्रेन (34.5 प्रतिशत), लेबनान (10.5 प्रतिशत), इजराइल (8.8 प्रतिशत), रूस और सऊदी अरब (7.1 प्रतिशत प्रत्येक), कुवैत (4.8 प्रतिशत), पोलैंड (4.2 प्रतिशत) और अमेरिका (3.4 प्रतिशत)। 2025–26 के बजट में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में भारत का प्रस्तावित रक्षा खर्च, जो 1.9 प्रतिशत होने का अनुमान है, 2000 के दशक की शुरुआत में बड़े रक्षा पेंशन को छोड़कर, लगभग तीन प्रतिशत के अपने ऐतिहासिक स्तर से पर्याप्त कमी दर्शाता है। जबकि हाल के वर्षों में रक्षा के लिए समग्र बजट आवंटन में वृद्धि हुई है, इस उद्देश्य के लिए आवंटित जीडीपी का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम स्तर दो प्रतिशत से नीचे रहा है। यह पिछले दो दशकों में क्षेत्र में बदलते सुरक्षा माहौल के बावजूद है। हाल ही में, बांग्लादेश ने भी भारत को डुआर्स क्षेत्र में शचिकन नेकश काटने के लिए संभावित सैन्य कार्रवाई की धमकी दी थी, ताकि भारत के आठ पूर्वोत्तर राज्यों, अर्थात अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के साथ भूमि संपर्क टूट जाये। भारत को इस तरह की पहली बांग्लादेशी धमकी को हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि देश की आयात–निर्भर सेना पर चीन का काफी हद तक नियंत्रण है।

22 साल की रीम शेख ने हिंदू लड़के संग की शादी!

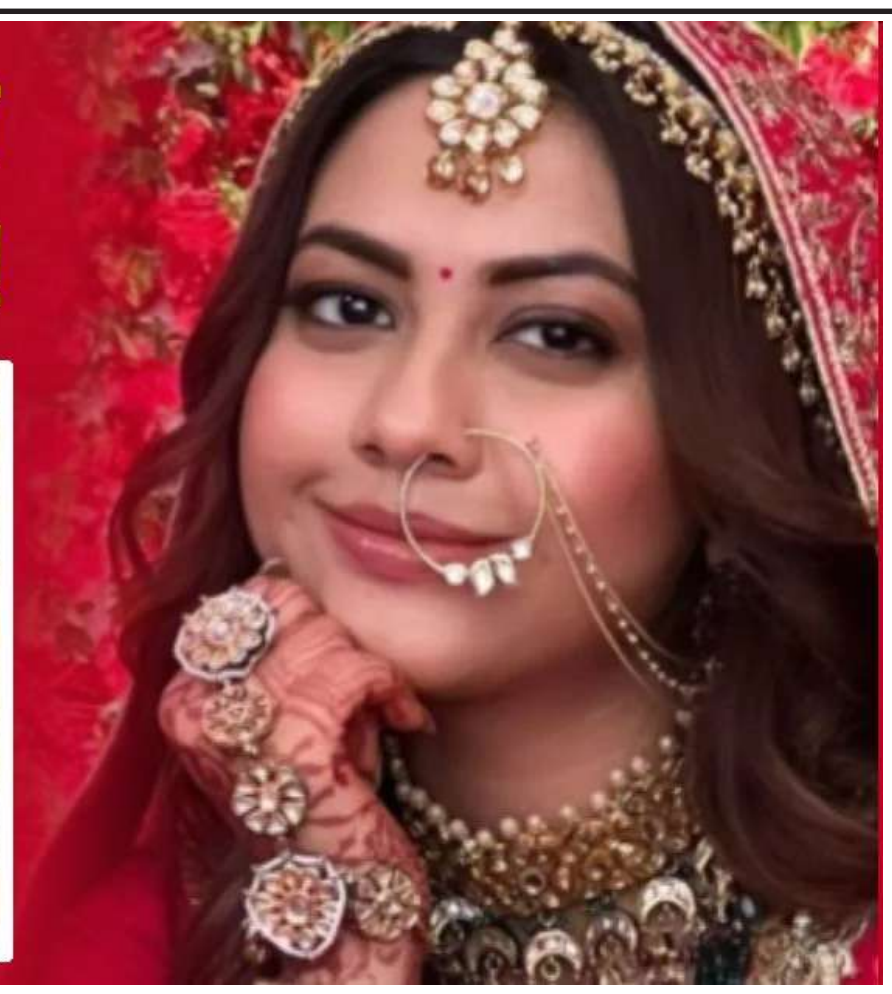

टीवी एक्ट्रेस रीम शेख को लेकर सोशल मीडिया पर खूब अफवाहें उड़ रही हैं। उनका नाम सेहबान अजीम से लेकर शगुन पांडे तक से जुड़ा। दो महीने पहले 22 साल की रीम की शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हुई थीं जिस पर अब एक्ट्रेस ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए उन फोटोज और खबर के पीछे का सच बताया है। रेडिट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 25.5.2025 को एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें रीम शेख की मांग में सिंदूर भरा है, वहीं दूसरी फोटो में कृष गुप्ता नाम का एक लड़का खड़ा है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा था कि कृष गुप्ता और रीम शेख ने जयपुर में 25 मई को शादी कर ली है। ये पोस्ट इतना वायरल हुआ था कि इसे देखकर रीम ही नहीं, बल्कि उनके परिवार वाले भी हैरान रह गए थे। अब कृष गुप्ता के साथ वायरल हुई फोटो और खबरों पर रीम ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने इंटरव्यू में कहा–मेरी शादी की एक बार खबर किसी ने पोस्ट कर दी थी, तो उसे मेरी दादी ने सीरियसली ले लिया था। ये जो हाल ही में मेरी शादी की खबर उड़ी है, ये तो मुझे पता ही नहीं कहां से आई। मैं लाफ्टर शेफ के सेट पर जब पहुंची तो चौंककर भारती दीदी ने कहा कि तूने शादी कर ली,तू बता नहीं रही। रीम ने बताया कि उनकी बहन एयर इंडिया में फ्लाइट अटेंडेंट है। जब अहमदाबाद में एयर इंडिया हादसा हुआ तब लोगों ने रीम से भी सवाल करने शुरू कर दिए थे कुछ को उनके रिएक्शन में 'इमोशन' नहीं दिखा तो सोशल मीडिया पर गालियों की बौछार शुरू हो गई। रीम ने कहा, श्सुबह–सुबह सेट पर पहुंचते ही मुझसे हादसे पर सवाल पूछा गया। मैं मेंटली तैयार नहीं थी। इसका मतलब ये नहीं कि मुझे फर्क नहीं पड़ा।ट्रोलिंग को जैसे मैंने फेस किया है, मैं ही जानती हूं, इसे शब्दों में बताना काफी मुश्किल है, मेरे कमेंट सेक्शन में गालियों से भरे मैसेजेस की बौछार होती थी।लोगों कहते थे–इसे पाकिस्तान भेजो, ये देशद्रोही है। उन्होंने कहा पर्सनल मैसेज तक में बुरी बातें लिखी गईं। मैं हैरान थी, कि लोगों में इतना गुस्सा कहां से आता है। बता दें कि रीम शेख इस वक्त लाफ्टर शेफ्स 2 में नजर आ रही हैं। उनकी जोड़ी अली गोनी के साथ बनी है। चार हफ्तों में शो का ग्रैंड फिनाले है।

राष्ट्रपति भवन में होगी तन्वी द ग्रेट की स्पेशल स्क्रीनिंग, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देखेंगी अनुपम खेर की फिल्म

दिग्गज एक्टर अनुपम खेर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म तन्वी द ग्रेट को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी यह फिल्म 18 जुलाई को पर्दे पर रिलीज होगी। हालांकि, इससे पहले कई सितारे उनकी इस फिल्म की जमकर तारीफ कर चुके हैं। वहीं, अब राष्ट्रपति भवन में अनुपम खेर की तन्वी द ग्रेट की स्पेशल स्क्रीनिंग होगी, जहां रिलीज से पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू फिल्म देखेंगी। तन्वी द ग्रेट की स्क्रीनिंग राष्ट्रपति भवन कल्चरल सेंटर में होगी, जहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इसे देखेंगीं। यह अनुपम खेर और उनकी टीम के लिए बेहद खुशी का मौका है। अनुपम खेरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर जानकारी दी कि तन्वी द ग्रेट की स्क्रीनिंग दिल्ली में भारतीय सेना के लिए भी की जाएगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर कहा है श्मुझे खुशी होगी कि मैं भारतीय सेना के जनरल उपेंद्र द्विवेदी को यह फिल्म दिखाऊं। क्योंकि सेना ने न केवल मुझे बल्कि 1.4 अरब भारतीयों को सुरक्षित महसूस कराने में अहम भूमिका निभाई है। बता दें, फिल्म तन्वी द ग्रेट ऑटिज्म और भारतीय सेना पर आधारित है। यह फिल्म पहले ही काफी मशहूर हो चुकी है। इसकी स्क्रीनिंग कान, न्यूयॉर्क, लंदन और ह्यूस्टन में हो चुकी है। फिल्म को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में स्टैंडिंग ओवेशन मिल चुका है। इस फिल्म में अनुपम खेर ने अभिनेत्री शुभांगी के साथ अहम किरदार निभाया है। इसमें करण ठक्कर और बोमन ईरानी ने भी अभिनय किया है। तन्वी द ग्रेट में तन्वी रैना की कहानी दिखाई गई है। तन्वी अपनी मां विद्या और अपने दादा कर्नल प्रताप के साथ रहती हैं। वह अपने पिता समर रैना की तरह भारतीय सेना में जाना चाहती हैं। फिल्म 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पाकिस्तानी अदाकारा-मॉडल हुमैरा असगर अली की बेहद दर्दनाक मौत, नौ महीने तर फ्लैट में पड़ा रही लाश

32 वर्षीय पाकिस्तानी अदाकारा–मॉडल हुमैरा असगर अली बुधवार को कराची स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत पाई गईं। यह शव तब मिला जब अदालत द्वारा नियुक्त एक बेलीफ बकाया किराया न चुकाने पर बेदखली की कार्रवाई कर रहा था और उसने चौथी मंजिल स्थित उनके अपार्टमेंट का दरवाज़ा तोड़ दिया। गल्फ न्यूज़ के अनुसार, पुलिस का अनुमान है कि अदाकारा की मृत्यु 2024 में हो गई होगी, और उनके पिता ने अंतिम संस्कार के लिए उनका शव लेने से इनकार कर दिया। पाकिस्तानी अभिनेत्री हुमैरा असगर अली निधन अक्टूबर 2024 के आसपास होने की संभावना है। पुलिस के अनुसार, अधिकारियों को अभिनेत्री का शव सड़ी–गली अवस्था में मिला था। डीआईजी सैयद असद रज़ा ने पाकिस्तानी मीडिया को हुमैरा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने उनके घर में सेंध लगाई थी। अरब न्यूज़ के अनुसार, हुमैरा असगर अली के भाई ने गुरुवार को उनके अवशेष एकत्र किए और उन खबरों का खंडन किया जिनमें कहा गया था कि परिवार ने उन्हें अस्वीकार कर दिया है। बताया जा रहा है कि हुमैरा सात साल से अपने कराची स्थित फ्लैट में अकेली रह रही थीं। हुमैरा अशगर अली के निधन की खबर से मनोरंजन जगत सदमे में है। सोशल मीडिया यूजर्स ने इंटरनेट पर अपना दुख व्यक्त किया है। हाल ही में, पाकिस्तानी अभिनेत्री सोन्या हुसैन आगे आईं और हुमैरा का अंतिम संस्कार करने की इच्छा व्यक्त की, जिनके शव को कथित तौर पर परिवार ने लावारिस छोड़ दिया था। अधिकारियों ने यह भी बताया कि घर में कोई मोमबत्ती या वैकल्पिक बिजली स्रोत नहीं थे और अक्टूबर 2024 में बिल न चुकाने के कारण उसकी बिजली काट दी गई थी। उनमें से एक ने कहा, ष्हुमैरा का शव संभवतः नौ महीने पुराना है। उसकी मृत्यु संभवतः उसके आखिरी बिजली बिलों के भुगतान और अक्टूबर 2024 में बिल न चुकाने के कारण उसकी बिजली काट दिए जाने के बीच हुई होगी,ष उन्होंने आगे बताया कि घर में कोई मोमबत्ती भी नहीं थी। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि उसके घर में रखा खाना महीनों पहले एक्सपायर हो चुका था। उन्होंने बताया, ष्जारों में जंग लग गया था और खाना छह महीने पहले एक्सपायर हो चुका था।ष कराची पुलिस सर्जन डॉ. सुम्मैया सैयद द्वारा की गई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कहा गया है कि शव बहुत बुरी तरह सड़ चुका था, जिससे शुरू में यह अनुमान लगाया जा रहा था कि उसकी मौत कम से कम एक महीने पहले हुई होगी। हालाँकि, बाद में उसके कॉल रिकॉर्ड और अन्य सबूतों के आधार पर की गई जाँच से संकेत मिला कि उसकी मृत्यु संभवतः अक्टूबर 2024 में हुई थी। पुलिस उप महानिरीक्षक सैयद असद रज़ा ने अरब न्यूज़ को बताया, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) के अनुसार, आखिरी कॉल अक्टूबर 2024 में की गई थी। पड़ोसियों ने भी उसे आखिरी बार सितंबर–अक्टूबर के आसपास देखे जाने की सूचना दी। उसकी सोशल मीडिया गतिविधियाँ उससे भी पहले बंद हो गई थीं, पिछले साल सितंबर से उसने कोई पोस्ट नहीं किया था। इससे पहले, पुलिस ने कहा था कि हुमैरा के परिवार ने उसका शव लेने से इनकार कर दिया था। हालाँकि, उसका भाई, नवीद असगर, अब शव को अपने कब्जे में लेने के लिए कराची पहुँच गया है। सत्यापन के लिए डीएनए परीक्षण किया गया, क्योंकि शव बुरी तरह सड़ चुका था और उसकी पहचान नहीं हो पा रही थी। नवीद ने कहा, हम यहाँ आए हैं और सभी कानूनी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद, शव प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि हुमैरा लगभग सात साल पहले लाहौर से कराची आई थी और परिवार से दूर हो गई थी, और कभी–कभार ही उनसे मिलने जाती थी। हाल के वर्षों में, वह लगभग डेढ़ साल से घर नहीं आई थीं। परिवार की पहले की अनिच्छा को समझाते हुए उन्होंने कहा, ष्इसीलिए मेरे पिता ने कहा था कि अगर कोई आपात स्थिति हो, तो आप उन्हें वहीं ख्कराची में, दफ़ना सकते हैं।ष उन्होंने यह भी पूछा कि क्या मकान मालिक से पूछताछ की गई थी। उन्होंने पूछा, ष्मकान मालिक के साथ जो भी मामला हुआ, क्या आपमें से किसी ने उनसे पूछताछ की? लाहौर की रहने वाली हुमैरा असगर अली ने 2015 में मनोरंजन जगत में अपना सफ़र शुरू किया।

खुशी कपूर के साथ रिलेशनशिप को लेकर बोले वेदांग रैना– हमारा रिश्ता सच्चा और..

एक्टर वेदांग रैना और एक्ट्रेस खुशी कपूर दोनों एक दूसरे के काफी करीब हैं। दोनों जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज में साथ काम कर चुके हैं। इसके बाद से ही दोनों काफी अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिलती है। कहा जाता है कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि दोनों ने

अपने रिश्ते को लेकर अभी तक कोई पुष्टि नहीं की है और न ही साफ तौर पर मना किया है। इसी बीच अब वेदांग ने खुशी कपूर के साथ अपने रिश्ते पर बात की है। हाल ही में एक बातचीत में वेदांग रैना ने खुशी कपूर को लेकर कहा–उसके साथ काम करना बहुत मजेदार और अच्छा रहा। हमारे बीच स्वाभाविक सहजता है। हमारा रिश्ता सहज और सच्चा है, यह रिश्ता नए प्रोजेक्ट में दिखाई देता है। किसी ब्रांड का प्रचार करने के बारे में वेदांग ने कहा कि वह इसे लेकर बहुत सतर्क रहते हैं। उन्होंने कहा श्ऐसा इसलिए क्योंकि यह जरूरी है कि आप जिस ब्रांड के साथ काम करने जा रहे हैं वह प्रमाणिक होना चाहिए ताकि वह बता सके कि मैं कौन हूं। मैं प्रमाणिक जुड़ाव देखता हूं चाहे वह उनका संदेश हो या उनका मूल्य हो। जोया अख्तर की आर्चीज में डेब्यू करने के बाद वेदांग आलिया भट्ट के साथ श्जिगराश में नजर आ चुके हैं। हालांकि, यह फिल्म खास कमाल नहीं दिखा पाई।

हवा चलेगी तो सबको मजा आ जाएगा, पेरिस कॉउचर वीक में जैकेट के बटन खोलकर 39 की ईशा गुप्ता ने मचाया बवाल

पेरिस कॉउचर वीक की शुरुआत होते ही हसीनाओं के लुक्स लाइमलाइट लूट रहे हैं। किसी ने फूलों वाली ड्रेस पहनकर टशन दिखाया। वहीं रैपर कार्डी बी ने जीवित कौए को हाथ में थाम एंट्री कर लोगों का दिमाग घूमा दिया लेकिन जब बारी आई ईशा गुप्ता की तो हर कोई बस उन्हें ही देखता रह गया। जैकेट खोलकर 39 की हसीना ने टशन मारने का मौका हाथ से जाने नहीं दिया।पेरिस कॉउचर वीक में ईशा ने ळमवतहमे भ्वइमपां के रेडी टू वियर फॉल 2025 की स्कर्ट और जैकेट चुनी। लुक में ग्लैमर का तड़का लगाने के लिए ईशा ने जैकेट को बंद करने की जगह खोलकर स्टाइल किया जिससे उनके ओवरऑल लुक में ग्लैम ऐड हुआ। फोटोज में ईशा की कमर पर लेदर बेल्ट लगी नजर आ रही है जो शायद हसीना के ब्रालेट स्टाइल वाले टॉप की हो सकती है। ईशा ब्लैक कलर की लेदर की जैकेट पहनी नजर आ रही हैं। जिसपर बोल्ड कॉलर ऐड किए गए हैं। फरी स्लीव्स ने जैकेट को यूनिक लुक दिया।ईशा की जैकेट के सिल्वर टोन के रेक्टेंगल शेप वाले बटन भी जोड़े गए हैं। जैकेट के साथ ईशा लेदर की स्कर्ट पहनी दिख रही हैं। जिसका लो वेस्ट स्टाइल लुक को कंप्लीट बना रहा है। स्कर्ट पर फूलों वाले डिजाइन बनाए गए हैं। ब्लैक अटायर के साथ ईशा ने हील्स भी ब्लैक चुनी है। एक तरफ जहां ईशा का लुक लोगों को पसंद आया। वहीं, हसीना को ट्रोल करने वालों की भी कोई कमी नहीं है। एक यूजर ने लिखा, श्हवा चलेगी तो सबको मजा आ जाएगा। तो दूसरे यूजर ने लिखा, आपके बाल बहुत बेकार लग रहे हैं। आप लंबे बालों में भी अच्छी लगती हैं।

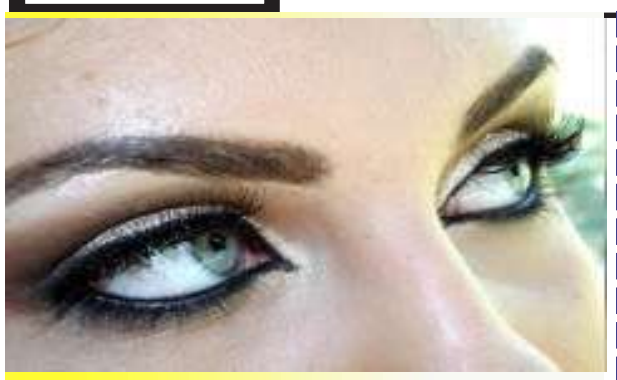

गर्मी में फैल जाता है आंखों में लगा काजल, तो फॉलों करें ये टिप्स

रोजाना ऑफिस जाना हो या चाहे किसी पार्टी में जाना हो, तो मेकअप करना तो आम बात है। प्रतिदिन आप हैवी मेकअप तो नहीं करते हैं लेकिन हल्का–फुल्का मेकअप तो जरुर करते हैं। हल्के–फुल्के मेकअप जैसे काजल और लिपस्टिक को लगाना हम ज्यादातर पसंद करते हैं। लेकिन जब हम आंखों में काजल लगाते हैं तो गर्मी में वो फैलने लगता है। इसलिए आज हम आपको कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं, जो आपको जरुर फॉलो करना चाहिए।

कंसीलर और पाउडर से कैसे सेट करें काजल

– आंखों में लगा काजल हर समय फ्रेश नजर आए और फैले नहीं, तो आप काजल लगाने से पहले अपनी ऊंगली की टिप पर थोड़ा सा कंसीलर और लूज पाउडर को लें।

– इसके बाद आप दोनों को मिक्स करके आंखों के नीचले हिस्से पर लगा लें।

– दोनों को मिक्स करके लगाने के बाद आप ब्यूटी ब्लेंडर की मदद से इसे ब्लेंड कर लें।

– ब्लेंड करने के लिए आप हल्के हाथों के दबाव का इस्तेमाल करें।

– इसके बाद आप इसे लूज पाउडर की मदद से सेट कर लें।

– सेट करने के बाद आप आंखों की वॉटर लाइन पर आसानी से काजल लगा लें।

चुनें बेस्ट काजल?

आंखों में लगे काजल को फैलने से बचने के लिए आप सबसे पतली टिप वाले काजल पेन या पेंसिल का इस्तेमाल कर सकती हैं। ध्यान रहे कि काजल या कोई भी मेकअप प्रोडक्ट आप लोकल ब्रांड का न खरीदें बल्कि किसी अच्छी ब्रांड वाले प्रोडक्ट को ही चुनें।

आंखों को कैसे दे फ्लॉलेस काजल लुक

काजल लगाते समय कई बार आईलैश पर प्रोडक्ट लग जाता है, बाद में पलके झपकाते समय आंखों में लगे काजल को बाहर की ओर फैला देता है। बता दें कि इससे बचने के लिए आप काजल लगाते ही टिश्यू या कॉटन पैड का इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसा करने से आपकी आंखें काजल लगाने के बाद काफी खूबसूरत दिखेंगी।

घर पर बनाएं क्रिस्पी और टेस्टी दही के शोले, नोट करें आसान रेसिपी

अगर आप के बच्चे भी घर पर रोजाना वही पुराना स्नैक्स खाकर बोर हो गए हैं, तो आप इस नई रेसिपी को घर पर जरुर ट्राई करें। घर पर आसानी से बनाएं टेस्टी और स्वादिष्ट दही के शोले। यह एक ऐसा स्नैक है दही की फिलिंग के साथ बनाया जाता है और यह खाने में बेहद ही मजेदार होता है। घर में एक बार इसे बना लिया तो आपके बच्चे बार–बार दही के शोले घर पर बनवाएंगे। चलिए आपको रेसिपी बताते हैं।

दही के शोले की सामग्री

–दही – 800 ग्राम/ 5 कप
–प्याज कटा हुआ –3 बड़े चम्मच
–शिमला मिर्च, कटी हुई– 2 बड़े चम्मच
–अदरक कटा हुआ –) बड़ा चम्मच
–हरी मिर्च कटी हुई – 1
–धनिया कटा हुआ – 2 बड़े चम्मच
–नमक स्वादानुसार
–काला नमक –) छोटा चम्मच
–पनीर, कसा हुआ – कप
–भुना जीरा पाउडर– 2 चम्मच
काली मिर्च पाउडर –) छोटा चम्मच
–सफेद ब्रेड – 26 स्लाइस
–तेल– तलने के लिए

दही के शोले बनाने का तरीका

– दही के शोले के लिए, दही को किसी छलनी या कपड़े में लटका कर कम से कम 4 घंटे के लिए रख दीजिए, ताकि दही का पानी निकल जाये और हमें गाढ़ा दही मिल जाए।

– हंग कर्ड में थोड़ा कटा हुआ प्याज, कटी हुई शिमला मिर्च, कटा हुआ अदरक, कटी हुई हरी मिर्च, कटा हरा धनिया, काला नमक, नमक, भुना जीरा पाउडर, काली मिर्च पाउडर और कसा हुआ पनीर डालकर अच्छी तरह मिला लें और यह मिश्रण तैयार है।

– अब दो ब्रेड स्लाइस लें और उसे बेलन की मदद से चपटा कर लें। फिर एक प्लास्टिक शीट लें और ब्रेड स्लाइस को शीट पर एक तरफ से दूसरे स्लाइस को ओवरलैप करते हुए रखें।

– अब इस मिश्रण को दूसरी ब्रेड स्लाइस के ऊपर तिरछा रखें और फिर ब्रेड को मोड़ दें। फिर दूसरी ब्रेड को भी मोड़ लें और प्लास्टिक शीट को टॉफी रैप की तरह रोल कर लें। सभी दही के शोले के साथ भी ऐसा ही करें।

– गरम तेल में बेले हुए दही के शोले को हल्का सुनहरा होने तक तल लीजिए।

–स्वादिष्ट और क्रिस्पी दही के शोले तैयार हैं। किसी भी प्रकार की चटनी या डिप के साथ आनंद लें!

मानसून में भूलकर भी इन चीजों का न करें सेवन, वरना हो सकती है मुसीबत

बारिश का मौसम अपने साथ कई तरह की बीमारियां लेकर आता है। इस मौसम में इंफेक्शन बहुत ही जल्दी फैलता है। इसलिए इस दौरान अपने खाने–पीने का खास ध्यान रखना चाहिए। बरसाती मौसम में ऐसी चीजें नहीं खानी चाहिए जो सेहत खराब करे। बरसाती मौसमें में सब्जियों और फलों में भी छोटे–छोटे कीड़े आने लगते हैं ऐसे में इनका सेवन करने से पहले अच्छे से चेक भी जरुर कर लेना चाहिए। आज आपको बताते हैं कुछ ऐसी चीजें जिनका सेवन बरसाती मौसम में बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

हरी पत्तेदार सब्जियां

बरसाती मौसम में तापमान में नमी होने के कारण बैक्टीरिया भी बहुत जल्दी आते हैं। खासकर हरी पत्तेदार सब्जियां पर यह बैक्टीरिया जमने लगते हैं ऐसे में इनका सेवन करने से पेट में इंफेक्शन हो सकता है। इसलिए इस मौसम में पालक, मेथी के पत्ते, पत्तागोभी, फूलगोभी जैसी सब्जियों से दूरी बनाएं। इनकी जगह आप करेला, घिया, तोरी और टिंडा जैसी सब्जियां अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

सलाद

इस मौसम में सलाद भी न खाएं। सलाद खाने बनाने के लिए कच्चे पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं इनमें जीवाणु और बैक्टीरिया बहुत जल्दी आते हैं। इसलिए इस दौरान कच्चा सलाद न खाएं। कच्चे सलाद की जगह आप पकी हुई सब्जियों का सेवन कर सकते हैं। सब्जियों को पकाने से उनमें मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया खत्म होने लगते हैं।

फ्रिजी ड्रिंक्स

फ्रिजी चीजों का सेवन भी बरसाती मौसम में करें। गर्मी और उमस भरे मौसम में फ्रिजी ड्रिंक्स का सेवन सही साबित होता है वहीं फ्रोजन फूड्स भी बनाने आसान होते हैं और इनका स्वाद भी अच्छा होता है। परंतु बारिश के मौसम में यह आपके पेट में इंफेक्शन का कारण बन सकते हैं। इसलिए इस मौसम में फ्रिजी ड्रिंक्स की जगह नींबू पानी, जलजीरा जैसी हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स का सेवन करें।

दही ना खाएं

मानसून में दही भी नहीं खाना चाहिए। इस मौसम में इसका सेवन शरीर के लिए हानिकारक होता है क्योंकि यह ठंडी होती है और इस दौरान यह साइनसाइटिस जैसी समस्या को बढ़ा सकती है। इसके अलावा दही खाने से इस दौरान पेट से जुड़ी परेशानियां हो सकती है और पेट खराब भी हो सकता है। इसलिए बारिश के मौसम में दही खाने से परहेज करें।

बाहर का खाना न खाएं

मानसून में स्ट्रीट फूड और स्टॉल का खाना भी न खाएं। बरसाती मौसम में बैक्टीरिया और फंगस होने के कारण इन फूड्स में बैक्टीरिया जा सकते हैं। इसके अलावा बाहरी जूस भी इस मौसम में पीने से टाइफाइड, उल्टी और दस्त जैसी परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। इसलिए बरसाती मौसम में जूस न पीएं।

चाय में रोज मिलाएं एक चुटकी नमक, शरीर को मिलेंगे कई गजब के फायदे

भारत में चाय पीना–पिलाना संस्कृति का हिस्सा है। चाय के शौकीन ना तो कभी मौसम देखते हैं और ना ही कोई वक्त देखते हैं। लोग सुबह ही नहीं बल्कि दोपहर, शाम और यहां तक कि सोने से पहले भी चाय पीना पसंद करते हैं। आम तौर पर दूध वाली चाय का प्रचलन है। चाय एक ऐसी दिलचस्प चीज है, जिसे लोग हर समय पीना पसंद करते हैं। बहुत से लोग तो अपनी सुबह की शुरुआत चाय के साथ ही करना पसंद करते हैं। जिसमें दूध वाली चाय, नींबू वाली चाय, हरी चाय आदि शामिल हो सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे इस चाय को और ज्यादा स्वादिष्ट और सेहतमंद बनाने का तरीका।

अपनी चाय में बस एक चुटकी नमक डाले

जी हां नमक वाली चाय आपकी सेहत के लिए एक कवच की तरह काम करती है। अगर आप रोजाना अपनी चाय में एक चुटकी नमक डालकर पीते हैं, तो आपकी सेहत को कई गजब के फायदे मिल सकते हैं। वहीं अगर आप चाय पीने के शौकीन हैं, तो ऐसे में आपके लिए यह जानना बहुत जरूरी है। ताकि आप चाय के साथ अपने शौक और सेहत दोनों में अच्छा सुधार कर सकें। आइए जानते हैं, चाय में एक चुटकी नमक डालकर पीने से सेहत को क्या और कितने फायदे मिलते हैं।

पचन क्रिया मजबूत करे

नमक का इस्तेमाल आपकी पाचन क्रिया को मजबूत बना सकता है। अगर आपको डाइजेशन संबंधी कोई समस्या है, तो आप रोजाना इसका सेवन कर सकते हैं। यह डाइजेशन के साथ–साथ पेट में होने वाले हर तरह के संक्रमण से भी बचाने में मदद कर सकता है।

इम्यून सिस्टम में सुधार

अगर आप रोजाना चाय में एक चुटकी नमक डालकर पीते हैं, तो इससे आपका इम्यून सिस्टम मजबूत हो सकता है। जो आपको कई तरह की बीमारियों के संक्रमण से बचाने में मदद करेगा है। इसलिए अगर आप रोज चाय पीना पसंद करते हैं, तो उसमें एक चुटकी नमक डालने की आदत को जरूर शामिल करें।

माइग्रेन ठीक करें

नमक का सेवन आपके माइग्रेन की समस्या को भी कम कर सकता है। इसके अलावा यह दिमाग को रिलैक्स और स्ट्रेस फ्री रखने में मददगार साबित हो सकता है।

भूख बढ़ाये

भूख बढ़ाने के लिए नमक सबसे अच्छा विकल्प माना जाता है। जी हां, जैसा कि मैंने बताया कि यह पाचन को बढ़ावा देने का काम करता है। इसलिए अगर आपका पाचन ठीक से काम करेगा तो आपको समय पर भूख भी लगेगी। जिससे आपकी भूख न लगने की समस्या कम हो सकती है।

स्किन को हेल्दी रखे

नमक में जिंक तत्व मौजूद होता है, जो आपकी स्किन को हेल्दी रखने में मदद करता है। अगर आप चाय में रोज एक चुटकी नमक डालकर पीते हैं, तो इससे आपकी स्किन में झुर्रियां, और एक्ने जैसी समस्याएं कम हो सकती हैं। अगर अपनी स्किन को लंबे समय तक हेल्दी रखना चाहते हैं, तो चाय को इस तरह से पीने की आदत डाल सकते हैं।

हाइड्रेट करें

नमक एक तरह का नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट पदार्थ है, जो शरीर में हाईड्रेशन की समस्या को कम करने में मददगार साबित होता है। अगर आप अपनी रोज वाली चाय में एक चुटकी नमक को एड करते हैं, तो आप हाइड्रेटेड रहकर खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। नमक का इस्तेमाल आपकी सेहत को कई तरह से फायदेमंद साबित हो सकता है। लेकिन इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि इसका अधिक सेवन आपके लिए नुकसानदायक भी हो सकता है। इसलिए इसके अधिक सेवन से खुद को बचाएं।

गलत खानपान से कमजोर हो सकती है याददाश्त, डाइट में जरूर शामिल करें ये विटामिन्स

कई लोगों की याददाश्त कमजोर हो जाती है, जिसके कारण वह अपनी चीजों को भूलने लगते हैं। ऐसे में एक सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा क्यों होता है। तो बता दें कि याददाश्त कमजोर होने का संबंध आपके खानपान से हो सकता है। डाइट में विटामिन की कमी से याददाश्त कमजोर होने लगती है। ऐसे में अगर आप भी चीजों के बारे में भूलने लगे हैं और आपको लगता है कि आपकी याददाश्त कमजोर हो रही है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि भूलने की बीमारी को दूर भगाने के लिए किस तरह की डाइट लेनी चाहिए और विटामिन की याददाश्त से क्या संबंध है।

पौष्टिक आहार

स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक आहार लेना बेहद जरूरी होता है। इसलिए डॉक्टर भी सलाह देते हैं कि विटामिन और मिनरल्स से भरपूर फूड्स को डाइट में शामिल करना चाहिए। क्योंकि शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने पर आपको कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वहीं शरीर में पौष्टिक तत्वों की कमी होने पर इसका असर आपकी याददाश्त पर भी पड़ता है।

न होने दें विटामिन की कमी

बता दें कि शरीर में विटामिन की कमी होने पर कमजोरी, चक्कर आना, थकान, एनर्जी लो होना और नजर का कमजोर होना आदि समस्याएं हो सकती हैं। लंबे समय तक शरीर में विटामिन की कमी होने पर इसका मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर देखने को मिलता है। विटामिन डी और बी12 की कमी का असर न सिर्फ व्यक्ति के शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी देखने को मिलता है। इन दोनों विटामिन की कमी होने पर याददाश्त का कमजोर होना, एकाग्रता में कमी, तनाव, चिड़चिड़ापन आदि बढ़ने लगता है।

विटामिन बी12 की कमी

शरीर में विटामिन बी 12 की कमी होने पर डीएनए, लाल रक्त कोशिकाओं और न्यूरोट्रांसमीटर फंक्शन के उत्पादन के लिए जरूरी है। इसकी कमी होने पर संतुलन में कमी, चलने में समस्या, थकान, एनीमिया, हाथ–पैरों का सुन्न होना, जीभ में सूजन और याददाश्त कमजोर होने जैसी समस्या हो सकती है। विटामिन बी12 की कमी को पूरा करने के लिए मछली, चिकन, दूध, दही जैसे जैसे मिल्क प्रोडक्ट्स को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। आप चाहें तो डॉक्टर की सलाह पर विटामिन बी12 सप्लीमेंट या बी12 युक्त मल्टीविटामिन का भी सेवन कर सकते हैं।

विटामिन डी की कमी

हड्डियों को मजबूत बनाने में विटामिन डी का अहम रोल होता है। शरीर में इस विटामिन की कमी से हड्डियों में दर्द, बालों का झड़ना, मूड स्विंग, डिप्रेशन, थकान, घाव का धीमी गति से भरना और याददाश्त कमजोर होने जैसी समस्या हो सकती है। विटामिन डी हड्डियों को मजबूत बनाने के साथ–साथ मांसपेशियों और तंत्रिका प्रणाली को सुचारू रूप से कार्य करने में सहायक होता है। यदि लंबे समय तक शरीर में इस विटामिन की कमी होती है, तो इससे हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। वहीं शरीर में कैल्शियम की कमी होने पर उंगलियों में झुनझुनी या सुन्नपन हो सकता है। वहीं इसकी कमी होने पर हृदय गति अनियमित हो सकती है। विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए आप अपनी डाइट में दूध और दूध से बनी चीजें, रागी, बाजरा, मछली, अंडे, तिल, हरी पत्तेदार सब्जियां और दालें आदि को शामिल कर सकते हैं। साथ ही सुबह के समय कुछ देर के लिए धूप जरूर लेनी चाहिए। क्योंकि सूर्य की रोशनी विटामिन डी का अच्छा स्त्रोत होता है।

फोलिक एसिड की कमी

फोलिक एसिड को फोलेट भी कहा जाता है। प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए यह एक जरूरी विटामिन बी है। यह न सिर्फ मां बल्कि गर्भ में पलने वाले बच्चे के स्वास्थ्य के लिए भी काफी जरूरी है। क्योंकि फोलेट की कमी के कारण बच्चों में कोशिका बनने में कमी, बड़ी लाल रक्त कोशिकाएं और न्यूरल ट्यूब दोष जैसे समस्या हो सकती है। वहीं इसकी कमी से चिड़चिड़ापन, थकान, खराब शारीरिक और मानसिक विकास और दस्त आदि के लक्षण दिखने लगते हैं। इसलिए हेल्थ एक्सपर्ट की सलाह के हिसाब से आप फोलिक सप्लीमेंट का सेवन कर सकती हैं।

आयरन की कमी

लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन के लिए आयरन बेहद अहम माना जाता है। शरीर में आयरन की कमी होने पर लाल रक्त कोशिकाओं में कमी आती है। जिसके कारण व्यक्ति को एनीमिया जैसी बीमारी हो सकती है। प्रेग्नेंट महिलाओं, हैवी पीरियड्स और शाकाहारी भोजन करने वाले लोगों में आयरन की कमी की आशंका अधिक होती है।

संक्षिप्त

सावन की पहली सुबह एक झटके में 2366 रुपए उछली चांदी, सोने का भाव भी 1 लाख पार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा पर लगाए गए नवीनतम टैरिफ और लाल सागर में बढ़ते भू–राजनीतिक तनाव के बीच 11 जुलाई 2025 को कीमती धातुओं सोने और चांदी की कीमतों में तेजी जारी रही। मजबूत हाजिर मांग के बीच सटोरियों के ताजा सौदों से वायदा कारोबार में सोने का भाव शुक्रवार को 540 रुपये तेजी के साथ 97,231 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में अगस्त में आपूर्ति वाले सोने की कीमत 540 रुपये यानी 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 97,231 प्रति 10 ग्राम हो गयी। इसमें 12,125 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने बताया कि प्रतिभागियों के ताजा सौदे करने से सोने के कीमतों में तेजी आई है। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना का वायदा भाव 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,334 डॉलर प्रति औंस रहा।

एमसीएक्स पर चांदी की कीमत

इसी तरह, 5 सितंबर, 2025 को परिपक्व होने वाले चांदी वायदा ने भी सत्र की शुरुआत बढ़त के साथ की। एमसीएक्स पर यह अनुबंध 210 रुपये की बढ़त के साथ 1,09,333 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,09,123 रुपये था। यह आगे बढ़कर 1,11,552 रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। पिछली बार यह 1,11,552 रुपये पर कारोबार कर रहा था – जो पिछले बंद भाव से 2,219 रुपये या 2.02 प्रतिशत की बढ़त है। पिछली बार यह 1,11,325 रुपये पर कारोबार कर रहा था। पिछले कारोबारी सत्र में यह 98,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस बीच, चांदी की कीमतें 1,04,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रहीं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सुरक्षित निवेश वाली संपत्तियों की नई मांग के चलते बृहस्पतिवार को सोने में तेजी दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर उनके संभावित प्रभाव को लेकर जारी अनिश्चितताओं ने सोने की कीमतों को सहारा दिया।

Glenmark ने कैंसर–रोधी दवा के लिए एबवी से दो अरब डॉलर का करार किया

दवा कंपनी ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने कैंसर और स्व–प्रतिरक्षी रोगों के इलाज के लिए तैयार अपनी दवा के व्यवसायीकरण के लिए एबवी कंपनी के साथ करीब दो अरब डॉलर का लाइसेंस समझौता किया है। यह दवा क्षेत्र के सबसे बड़े सौदों में से एक है। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स की इकाई इचनोस ग्लेनमार्क इनोवेशन (आईजीआई) ने अपनी प्रमुख दवा आईएसबी 2001 के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। ग्लेनमार्क ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कैंसर और प्रतिरक्षक प्रणाली की नाकामी से होने वाले रोगों के उपचार के लिए 'आईएसबी 2001' दवा को विकसित किया गया है। इस समझौते के तहत एबवी को उत्तरी अमेरिका, यूरोप, जापान और चीन में इस दवा के वैश्विक विकास, निर्माण और व्यावसायीकरण के विशेष अधिकार दिए गए हैं। दूसरी तरफ, एशिया के अन्य हिस्सों, लातिनी अमेरिका, रूस, पश्चिम एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण कोरिया सहित उभरते बाजारों में इस दवा का विकास, निर्माण और व्यावसायीकरण खुद कंपनी करेगी। नियामकीय मंजूरी मिलने पर आईजीआई को 70 करोड़ डॉलर का अग्रिम भुगतान मिलेगा। इसके अलावा विकास, नियामक और वाणिज्यिक भुगतानों में उसे 1.22 अरब डॉलर तक की राशि मिलेगी। वह शुद्ध बिक्री पर दोहरे अंकों की रॉयल्टी की भी हकदार होगी। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स के अध्यक्ष (यूरोप और उभरते बाजार) क्रिस्टॉफ स्टोलर ने कहा, ''नयी दवा 'आईएसबी 2001' का जुड़ना हमारी कैंसर–केंद्रित रणनीति का एक स्वाभाविक विकास है।'' एबवी में कार्यकारी उपाध्यक्ष (शोध एवं विकास) और मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी रूपल ठक्कर ने कहा, ''आईजीआई के साथ यह साझेदारी मरीजों के लिए नए उपचारों को आगे बढ़ाने की हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

अमेरिका की आर्थिक कार्रवाइयों ने देशों को डॉलर का विकल्प तलाशने को मजबूर किया : जीटीआरआई

अमेरिका की आर्थिक और भू–राजनीतिक कार्रवाइयों के कारण ही देश डॉलर से इतर मुद्राओं में व्यापार करने को प्रेरित हुए हैं। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने शुक्रवार को यह बात कही। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डॉलर से इतर मुद्राओं में व्यापार करने वाले सभी ब्रिक्स देशों पर 10 प्रतिशत शुल्क का प्रस्ताव भी रखा है। भारत, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, इथियोपिया, इंडोनेशिया और ईरान ब्रिक्स के सदस्य हैं। 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव' (जीटीआरआई) ने कहा कि रूस, ईरान तथा वेनेजुएला जैसे देशों पर अमेरिकी प्रतिबंधों ने डॉलर–आधारित भुगतान को अवरुद्ध कर दिया है जिससे भारत और चीन जैसे देशों को रूस के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, '' डॉलर से इतर दूसरी मुद्राओं का रुख करना कोई विद्रोह नहीं है... बल्कि एकमात्र रास्ता यही बचा था।'' उन्होंने कहा, '' रूस–चीन का 90 प्रतिशत से अधिक व्यापार अब रूबल (रूस की मुद्रा) या युआन (चीन की मुद्रा) में होता है। भारत रूसी तेल के लिए रुपये और दिरहम (संयुक्त अरब अमीरात की मुद्रा) में भुगतान करता है। यहां तक घ्यकि सऊदी अरब भी डॉलर से इतर दूसरी मुद्राओं में तेल व्यापार के लिए तैयार है जो 1970 के दशक के 'पेट्रो–डॉलर' समझौते को तोड़ रहा है।'' शोध संस्थान ने कहा, ''ट्रंप इस तथ्य की अनदेखी कर रहे हैं कि यह अमेरिका की कार्रवाइयां ही थीं, जिन्होंने देशों को डॉलर के विकल्प तलाशने के लिए मजबूर किया।'' श्रीवास्तव ने कहा कि ब्रिक्स पर ट्रंप की 10 प्रतिशत शुल्क की योजना और रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत जुर्माना लगाने से देशों के लिए अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा, '' संक्षेप में, ये समझौते महज.. शक्ति के दम पर हासिल आपसी सहमति से हुए समझौते हैं... भारत को सतर्क रहना चाहिए।

अगर टेनिस खेलते सूर्यकुमार तो धोनी को चुनते अपना डबल्स पार्टनर, खुद किया खुलासा

लंदन। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव उन क्रिकेटरों में शुमार हैं, जिन्होंने सेंटर कोर्ट का दौरा किया और विंबलडन मैच देखा। वह हाल ही में पत्नी देविशा शेट्टी के साथ मैच देखने पहुंचे थे। उन्होंने इस दौरान खुलासा किया कि वह अपने डबल्स जोड़ीदार के तौर पर भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को देखना पसंद करेंगे। सूर्यकुमार पहली बार विंबलडन देखने के लिए पहुंचे थे। वहां मौजूदगी से उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं। विंबलडन ने भी उनकी एक फोटो शेयर की और लिखा, एसडब्ल्यू19 में रौनक लेकर आए सूर्यकुमार यादव! आपको यहां देखकर खुशी हुई।श उनके अलावा जसप्रीत बुमराह भी पत्नी संजना के साथ मैच देखने सेंटर कोर्ट पहुंचे थे। टेनिस को लेकर अपने लगाव के बारे में सूर्यकुमार ने बताया, मैं टीवी पर टेनिस बहुत देखता हूं। सेंटर कोर्ट के माहौल के बारे में हमेशा सुना करता था, खास तौर पर तब जब खिलाड़ी वहां प्रवेश करते हैं। अब इसे सामने से महसूस किया, यह बहुत ही खास अनुभव है। जब उनसे पूछा गया कि अगर उन्हें किसी क्रिकेटर को टेनिस डबल्स (पुरुष युगल) पार्टनर चुनना हो, तो वे किसे चुनेंगे? इस पर सूर्यकुमार ने कहा, बिलकुल एमएस धोनी को। वह तेज हैं, सहनशक्ति बहुत ज्यादा है और मानसिक रूप से बेहद मजबूत हैं। और हाल ही में जब वे क्रिकेट नहीं खेल रहे होते हैं, तो मैंने उन्हें कई बार टेनिस खेलते देखा है। इसलिए मेरी पहली पसंद वही होंगे। अपने पहले विंबलडन दौरे के अनुभव पर सूर्यकुमार ने बताया, श्मैं पहली बार यहां आया हूं और चाहता था कि सब कुछ एकदम सही हो। सच कहूं तो मेरी पत्नी देविशा ने मेरी बहुत मदद की। वह पिछले तीन–चार दिनों से मेरे साथ रही है, इस शानदार टूर्नामेंट में क्या पहनना है, यह तय करने में मेरी मदद कर रही है। यहां इतनी बड़ी संख्या में लोग आए हैं, मैं भी उन्हीं में से एक हूं। मैं बस इस माहौल का हिस्सा बनना चाहता था। अपने पसंदीदा टेनिस खिलाड़ी के बारे में उन्होंने कहा, श्मैं खासतौर पर नोवाक जोकोविच को देखने आया हूं। मैं लंबे समय से उन्हें फॉलो कर रहा हूं। उनकी किताब 'सर्व टू विन' भी पढ़ी है, जिसने मुझे बहुत प्रेरित किया। उम्र को देखते हुए मैंने थोड़ी देर से इंटरनेशनल क्रिकेट शुरू किया, लेकिन उनकी संघर्ष की कहानी से मैं खुद को जोड़ पाता हूं। जिस तरह वे लगातार आगे बढ़ते रहते हैं, वह कमाल है। उन्होंने यह भी बताया कि अगर विंबलडन की बात करें तो पीट सम्प्रास और रोजर फेडरर उनके पसंदीदा रहे हैं। उन्होंने कहा, जब ये खिलाड़ी कोर्ट पर आते थे तो भीड़ झूम उठती थी। लेकिन मेरे ऑल–टाइम फेवरेट नोवाक जोकोविच ही हैं। अभी के समय में मुझे कार्लोस अल्काराज बहुत पसंद हैं, वह कोर्ट पर जैसे तूफान की तरह खेलते हैं। क्रिकेट और टेनिस की समानता पर सूर्यकुमार ने कहा, 'क्रिकेट और टॉप लेवल टेनिस में बहुत सी समानताएं हैं। दोनों खेलों में मानसिक मजबूती और सहनशक्ति बहुत ज़रूरी होती है। क्रिकेट में हमें बार–बार 20–25 मीटर दौड़ना होता है, और टेनिस में भी कुछ ऐसा ही होता है। इसलिए दोनों में मानसिक ताकत और स्टेमिना सबसे अहम पहलू हैं।

जो रूट टेस्ट में सर्वाधिक शतक लगाने वाले पांचवें बल्लेबाज बने, द्रविड़–स्टीव स्मिथ को पीछे छोड़ा

लंदन। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शतक लगाया। रूट के टेस्ट करियर का यह 37वां सैकड़ा है और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक टेस्ट शतक लगाने वाले दुनिया के पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। रूट ने 192 गेंदों पर शतक पूरा किया। वह पहले दिन 99 रन बनाकर नाबाद रहे थे और दूसरे दिन की पहली ही गेंद पर चौका लगाकर रूट सैकड़ा पूरा करने में सफल रहे।

लॉर्ड्स पर लगाया लगातार तीसरा शतक

रूट का लॉर्ड्स मैदान पर यह लगातार तीसरा शतक है। वह तीसरे ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने लॉर्ड्स में लगातार तीन शतक लगाए हैं। उनसे पहले जैक हॉब्स और माइकल वॉन ऐसा कर चुके हैं। रूट ने लॉर्ड्स में पिछली दो पारियों में 143 और 103 रन का स्कोर बनाया था और अब फिर उन्होंने 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया है। रूट अब तक लॉर्ड्स मैदान पर कुल आठ शतक लगा चुके हैं।

बुमराह ने रूट को किया बोल्ड

रूट भारत के खिलाफ 60 पारियों में 11 शतक लगा चुके हैं। रूट ने इस मामले में स्टीव स्मिथ की बराबरी कर ली है जिन्होंने भारत के खिलाफ 46 पारियों में इतने ही शतक लगाए हैं। रूट शतक लगाने के बाद ज्यादा देर टिक नहीं सके और जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड कर उनकी पारी का अंत किया। रूट 199 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 104 रन बनाकर आउट हुए।

भारत के खिलाफ बनाए सर्वाधिक रन

रूट ने तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन भारत के खिलाफ 3000 टेस्ट रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए थे। रूट उन खिलाड़ियों में शामिल हो गए थे जिन्होंने किसी एक टीम के खिलाफ टेस्ट में 3000 रन बनाए हैं। रूट इसके साथ ही डॉन ब्रैडमैन और सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गज बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए थे। ब्रैडमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ 5028 रन बनाए हैं। ब्रैडमैन, जैक हॉब्स, सचिन, एलेन बॉर्डर, स्टीव स्मिथ, डेविड गोवर, गैरी सोबर्स और स्टीव वॉ उन बल्लेबाजों में शामिल हैं जिन्होंने किसी टीम के खिलाफ टेस्ट में 3000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं।

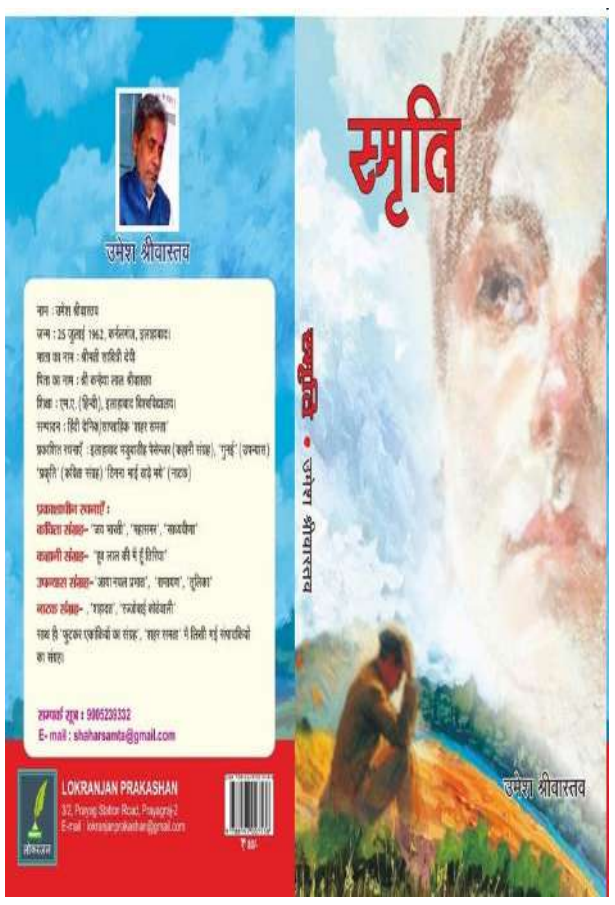

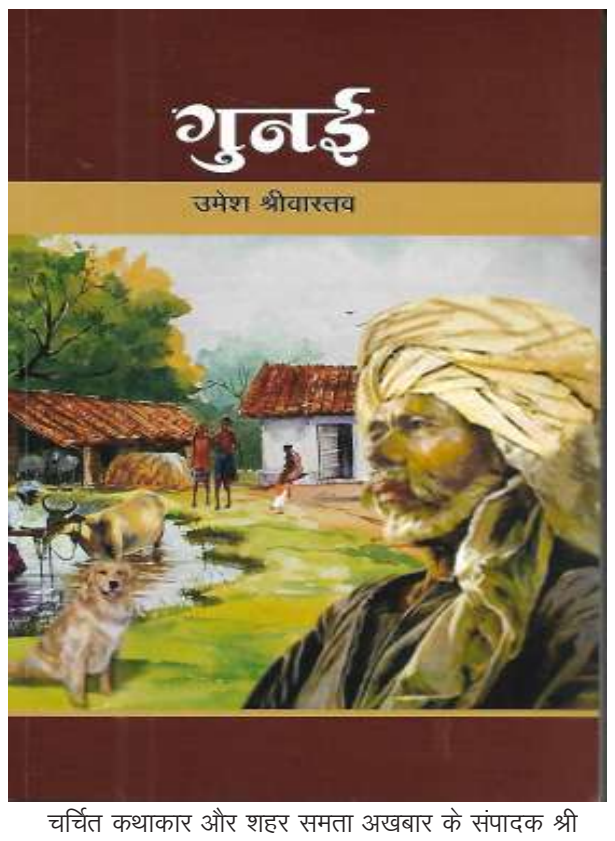

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

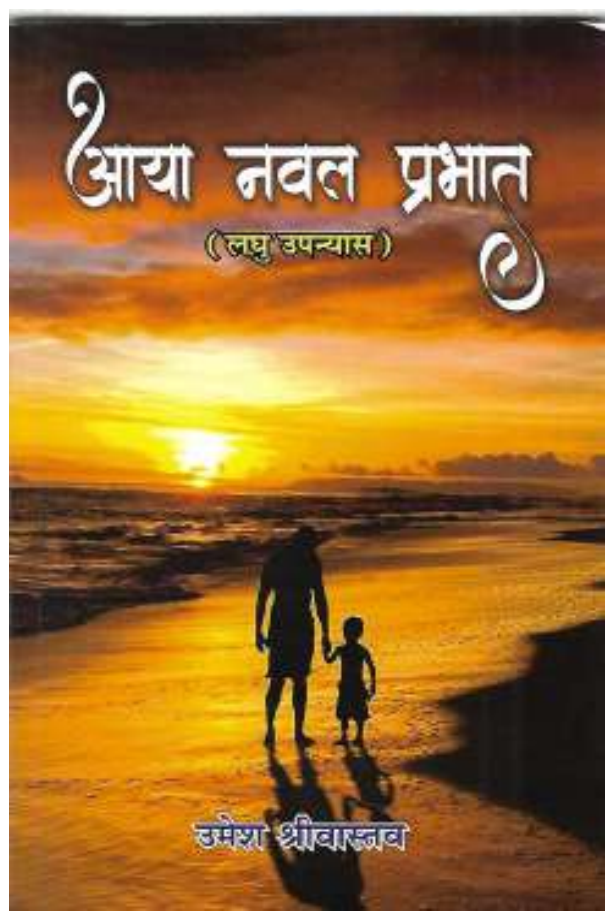

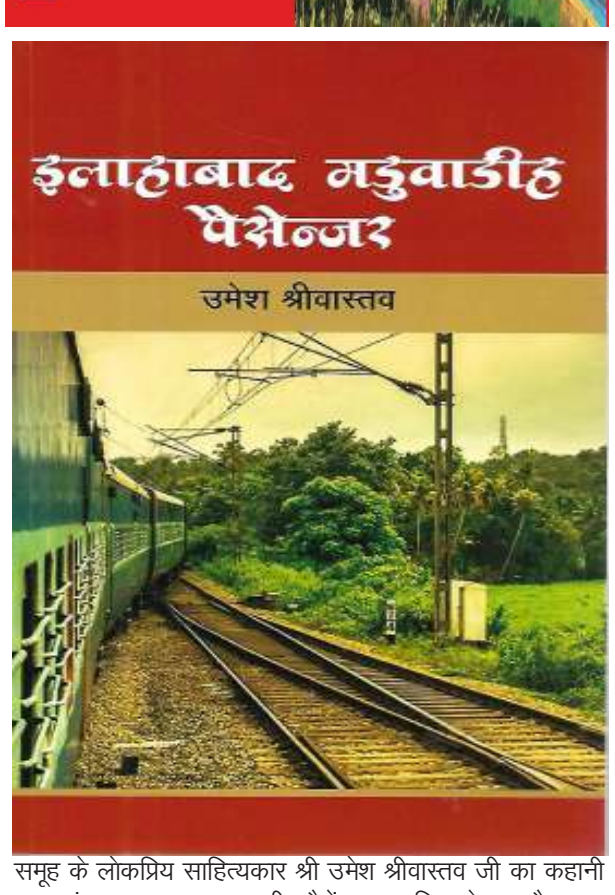

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

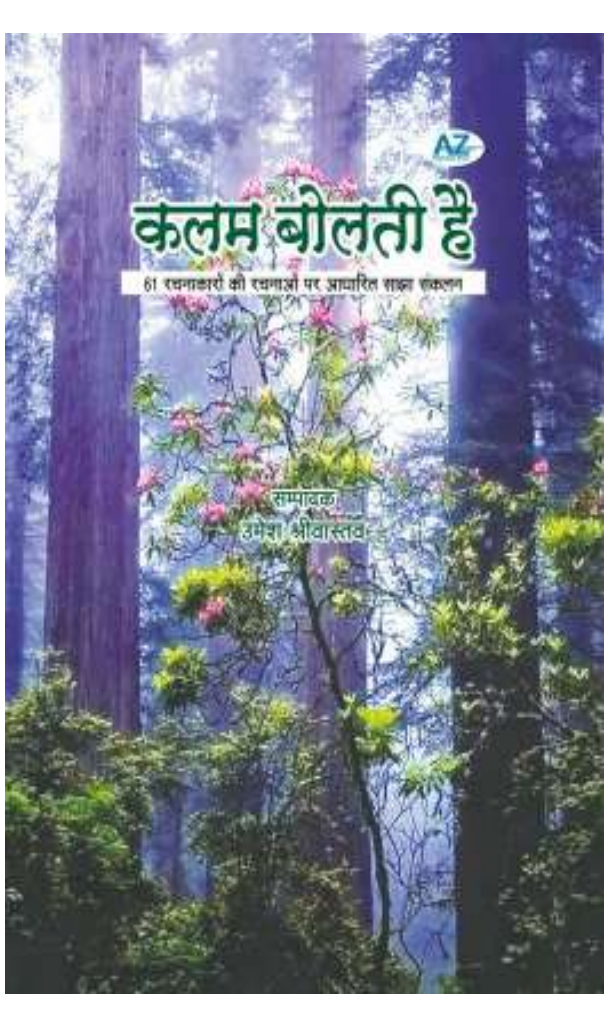

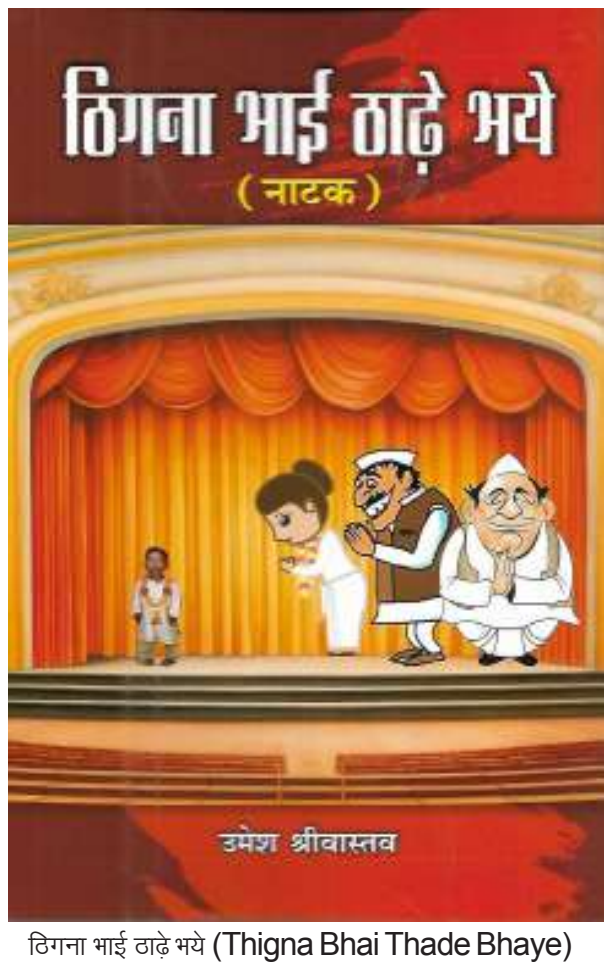

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

जापानी सैन्य विमानों के बेहद करीब लड़ाकू विमान उड़ाना बंद करे चीन : जापान

जापान ने चीन से कहा है कि वह अपने लड़ाकू विमानों को जापानी टोही विमानों के करीब उड़ाना बंद करे। जापान के अनुसार चीन लगातार ऐसा कर रहा है और इससे टकराव हो सकता है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि बुधवार और बृहस्पतिवार को चीनी 'जेएच–7' लड़ाकू–बमवर्षक विमान ने जापान 'एयर सेल्फ–डिफेंस फोर्स' के 'वाईएस–11ईबी' 'इलेक्ट्रॉनिक–इंटेलिजेंस विमान' के पास से उड़ान भरी। मंत्रालय ने कहा कि यह घटना पूर्वी चीन सागर के ऊपर हुई, हालांकि यह जापानी हवाई क्षेत्र नहीं था और इससे जापानी पक्ष

को कोई नुकसान भी नहीं हुआ। चीन ने इस पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। इससे पहले, चीन ने आरोप लगाया था कि जापानी विमान उसके विमान के करीब से उड़ान भर रहे हैं और चीन की सैन्य गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं तथा उसने जापान से इन गतिविधियों को बंद करने को कहा था। जापान के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि उप मंत्री ताकेहिरो फुनाकोशी ने जापान में मौजूद चीनी राजदूत वू जियांगहाओ के समक्ष ''गंभीर चिंता'' व्यक्त की और चीन से ऐसी गतिविधि को रोकने का कहा। बयान के अनुसार जापान ने कहा कि चीन की इस तरह की कार्रवाई 'टकराव भड़का सकती है', साथ ही चीन से यह भी सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि ऐसी कार्रवाइयां दोबारा नहीं हों।

छंटनी का नोटिस जल्द आने वाला है: अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कर्मचारियों से कहा

अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को औपचारिक रूप से अपने कर्मचारियों को सूचित किया कि मंत्रालय जल्द ही कुछ कर्मचारियों को छंटनी का नोटिस भेजने वाला है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने इस वर्ष की शुरुआत में कहा था कि कई मंत्रालयों में बड़े पैमाने पर छंटनी की जाएगी। यह कदम संघीय सरकार के आकार को कम करने के व्यापक प्रशासनिक प्रयास का हिस्सा है। इसे मुख्यतः सरकारी दक्षता विभाग द्वारा अंजाम दिया गया है, जिसका नेतृत्व पहले एलन मस्क करते थे। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय के एक हालिया फैसले ने छंटनी शुरू करने का रास्ता साफ कर दिया है, जबकि छंटनी की वैधता को चुनौती देने वाले मुकदमे पर सुनवाई अब भी जारी है। मंत्रालय के प्रबंधन और संसाधन उप मंत्री माइकल रिगास ने एक बयान में कहा कि अगर कुछ कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा रहा है, तो उन्हें सूचित किया जाएगा। रिगास ने कहा, '' हम उन्हें अमेरिका के प्रति उनके समर्पण और सेवा के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं।'' यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कितने लोगों की छंटनी की जाएगी।

उत्तरी मेक्सिको में कार दुर्घटना में अमेरिकी राजनयिक की मौत

मेक्सिको के उत्तरी राज्य कोआहुइला में सड़क दुर्घटना में एक अमेरिकी राजनयिक की मौत हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कोआहुइला अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने बताया कि उत्तरी शहर मॉन्टेरी स्थित अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास के उप वाणिज्यदूत ब्रायन मैथ्यू फॉगनैन का वाहन मटामोरोस में एक राजमार्ग पर बुधवार को पलट गया जिससे उनकी मौत हो गई। अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने बृहस्पतिवार को अपने फेसबुक पेज पर जारी एक बयान में राजनयिक की मौत की पुष्टि की। अधिकारियों ने हालांकि यह नहीं बताया कि दुर्घटना कैसे हुई लेकिन स्थानीय मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि चालक ने कार पर नियंत्रण खो दिया और कार पलट गई।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हमलावरों ने नौ यात्रियों की गोली मारकर हत्या की

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में चरमपंथियों ने शुक्रवार को एक बस से पंजाब के नौ यात्रियों को उतारकर उन्हें गोली मार दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रांत के झोब इलाके के सहायक आयुक्त नवीद आलम ने कहा कि घटना झोब इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। यह बस क्वेटा से लाहौर जा रही थी। हथियारबंद हमलावरों ने पहले यात्रियों के पहचान पत्र देखे और नौ लोगों को बस से उतरने को कहा तथा गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। आलम ने बताया कि ये सभी लोग पंजाब प्रांत के विभिन्न हिस्सों से थे। उन्होंने बताया, ''हमने सभी नौ शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।'' यह पहली बार नहीं है जब चरमपंथियों ने पंजाब प्रांत के लोगों और बलूचिस्तान में विभिन्न राजमार्ग से गुजरने वाली बसों के यात्रियों को निशाना बनाया है। किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस बीच चरमपंथियों ने क्वेटा, लोरालाई और मस्तुंग में तीन आतंकवादी हमले भी किए लेकिन बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने दावा किया कि सुरक्षा बलों ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। बलूचिस्तान मीडिया में अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि चरमपंथियों ने रात के दौरान प्रांत में कई जगहों पर हमले किए और सुरक्षा चौकियों, सरकारी प्रतिष्ठानों, थानों, बैंकों और संचार टावरों को निशाना बनाया। रिंद ने हमलों की पुष्टि की लेकिन उन्होंने कहा कि इनमें से किसी भी घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

कुरान पढ़ो, इस्लाम को जानो और अरबी सीखो... नेतन्याहू के नए फरमान से मचा हड़कंप

इजरायल से एक ऐसी खबर आई है जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। भारत के लोग भी ये समझ ही नहीं पाए कि इजरायल ने ये कैसा ऐलान कर दिया है। दरअसल, इजरायल की सेना अब इस्लाम की शिक्षा लेगी। कुरान पढ़ेगी और अरबी भाषा सीखेगी। इजरायली आर्मी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल ने अपने सभी खुफिया सैनिकों और अधिकारियों के लिए कुरान के अध्ययन को अनिवार्य बना दिया है। हिब्रू बोलने वाले इजरायल के सैनिकों और अधिकारियों के लिए अरबी भाषा सीखना अनिवार्य कर दिया गया है। अहम खबर यह है कि सामने आ रही जानकारी के अनुसार,

इजराइल अब कुरान और अरबी भाषा को भी अपने पाठ्यक्रम में शामिल करेगा। इजराइली सरकारी चौनल से मिली जानकारी के अनुसार, अक्टूबर 2023 में हमास द्वारा इजराइल पर एक बड़ा हमला किया गया था। ऐसा माना जा रहा है कि यह हमला खुफिया सेवाओं की गलती के कारण हुआ। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यदि सैन्य अधिकारी और मोसाद अधिकारी अरबी भाषा जानते होते तो हमला नहीं होता। इसलिए, अब इजरायल ने आदेश जारी किया है कि उसके अधिकारियों को जल्द से जल्द अरबी सीखनी होगी। जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार, इज़राइल चारों ओर से मुस्लिम देशों से घिरा हुआ है। इज़राइल के पड़ोसी देश जॉर्डन, तुर्की, सऊदी अरब, यमन और लेबनान जैसे देश हैं। अरबी भाषा बोलने वाले देशों में इज़राइल एकमात्र ऐसा देश है जहाँ हिब्रू भाषा बोली जाती है। इज़राइल और ईरान के बीच संघर्ष इस समय अपने चरम पर है और ऐसी स्थिति है कि ईरान कभी भी इज़राइल पर हमला कर सकता है। ईरान में कई लोग अरबी भी बोलते हैं, इसलिए इज़राइल ने अब अपने अधिकारियों पर यह भाषा थोप दी है। इजराइल के शीर्ष कमांडरों को अरबी भाषा का ज्ञान है, इसलिए वे इस भाषा का उपयोग करके दुश्मन की कई योजनाओं को समझ लेते हैं, लेकिन इजराइल में दूसरे दर्जे के सैनिकों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए अब उनके लिए अरबी भाषा अनिवार्य कर दी गई है।

बांग्लादेश में महिला अधिकारियों को ''सर'' कहने का आदेश रद्द, समीक्षा समिति करेगी नए संबोधन का निर्धारण

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए उस विवादित नियम को औपचारिक रूप से रद्द कर दिया है, जिसके तहत सरकारी अधिकारियों को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना सहित वरिष्ठ महिला अधिकारियों को ष्सरष कहकर संबोधित करना अनिवार्य था। यह नियम शेख हसीना के लगभग 16 वर्षों के शासनकाल के दौरान प्रचलन में आया था। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. यूनुस के नेतृत्व में यह निर्णय लिया गया। ढाका ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला ढाका में हुई सलाहकार परिषद की बैठक के बाद लिया गया। परिषद के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने

फेसबुक पर बताया कि यह निर्देश ष्अनुचितष था और इसे अब रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि ष्सरष शब्द का उपयोग केवल पुरुष अधिकारियों के लिए होना चाहिए, लेकिन यह चलन महिला अधिकारियों के लिए भी अपनाया गया, जो स्पष्ट रूप से असामान्य और अनुचित है। यह आदेश न केवल शेख हसीना के लिए बल्कि अन्य उच्च पदस्थ महिला अधिकारियों के लिए भी लागू था। इस फैसले के साथ–साथ, अंतरिम सरकार ने अन्य पुराने और अप्रासंगिक प्रोटोकॉल नियमों को भी समाप्त करने की घोषणा की है। सरकार अब वरिष्ठ अधिकारियों और लोक सेवकों को संबोधित करने के लिए एक उचित, सम्मानजनक और सामाजिक रूप से स्वीकार्य शब्द तय करने की दिशा में काम करेगी। इसके लिए एक समीक्षा समिति गठित की गई है, जिसकी अध्यक्षता सैयदा रिजवाना हसन करेंगी। वह वर्तमान में ऊर्जा, सड़क, रेलवे, पर्यावरण और जल संसाधन मामलों की सलाहकार हैं। समिति यह सुनिश्चित करेगी कि सरकारी संचार में प्रयुक्त शब्दावली बांग्लादेश के सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक मर्यादाओं के अनुरूप हो। महिला अधिकारियों को ष्सरष कहने की परंपरा की लंबे समय से आलोचना होती रही है, और यह निर्णय इस दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

राफेल की जासूसी करते पकड़े गए 4 चीनी नागरिक, भारत के इस दोस्त देश में बड़ी साजिश का खुलासा

दुनिया का सबसे ताकतवर जेट राफेल और दूसरी तरफ चीन की वो चालबाजी जो हर कीमत पर इसे कमजोर साबित करना चाहता है। ग्रीस के तंगड़ा एयरबेस पर हुई घटना ने सभी को चौंका दिया है। चार चीनी जासूस राफेल की जासूसी करते रंगे हाथ पकड़े गए। दरअसल, ग्रीस के तंगड़ा एयरबेस पर फ्रांसिसि राफेल जेट और हेलनिक एयरोस्पेस इंडस्ट्री की अहम सुविधाएं है। वहीं चार चीनी नागरिक दो पुरुष, एक महिला और एक युवक संदिग्ध स्थिति में कैमरे लेकर फोटो खींचते पाए गए। सुरक्षा गार्ड्स ने रोका। लेकिन वे एक पुलिया की तरफ बढ़े और छिपकर फोटो खींचते रहे। हेलनिक एयरफोर्स पुलिस ने उन्हें तुरंत हिरासत में लिया और उनके कैमरों से दर्जनों संवेदनशील तस्वीरें बरामद की। ग्रीस की इंटेलिजेंस एजेंसी ने इसे जासूसी का गंभीर मामला माना है। सवाल ये है कि एक टूरिस्ट आखिर क्यों राफेल जैसे सैन्य एयरबेस की तस्वीरें खींचेगा। आपको मई 2025 की घटना तो याद ही होगी जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर राफेल से हमले किए। उच्चस्तरीय सटीकता, गुप्त घुसपैठ और बिना किसी नुकसान के मिशन की सफलता राफेल की ताकत दुनिया ने देखी। इसके बाद से कई देश राफेल को खरीदने में रूचि दिखाने लगे। जिससे चीनी जेट्स जे 10 और एफसी 31 की बिक्री प्रभावित हुई।

कनाडा के सरे में हास्य कलाकार कपिल शर्मा के रेस्तरां पर गोलीबारी, स्थानीय पुलिस जांच में जुटी

कनाडा के सरे में हास्य कलाकार कपिल शर्मा के हाल में खुले नए रेस्तरां पर गोली चलाए जाने की घटना सामने आई है। सरे पुलिस सेवा (एसपीएस) ने बताया कि उसने बुधवार को स्थानीय समयानुसार देर रात 1रू50 बजे एक व्यापारिक प्रतिष्ठान से आई कॉल पर कार्रवाई की। इसमें व्यापारिक प्रतिष्ठान का नाम नहीं बताया गया। खबरों के मुताबिक, शर्मा के कप्स कैफे पर हमला हुआ। कपिल की टीम की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। एसपीएस ने कहा, देर रात 1रू50 बजे सरे पुलिस सेवा को 120 स्ट्रीट के 8400 ब्लॉक में स्थित एक व्यापारिक प्रतिष्ठान में गोलीबारी के बाद बुलाया गया। इसमें कहा गया है, पुलिस के पहुंचने पर यह तुरंत पता चल गया कि गोलियां व्यापारिक प्रतिष्ठान की ओर चलाई गई थीं, जिससे संपत्ति को नुकसान पहुंचा, जबकि कर्मचारी अंदर मौजूद थे। एसपीएस ने कहा कि व्यापारिक प्रतिष्ठान में किसी को कोई चोट नहीं आई। इसमें कहा गया है कि जांच जारी है और अन्य घटनाओं से संबंध तथा संभावित उद्देश्यों की जांच की जा रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।